भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 333 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 18 इदउ दिसम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

दिल्ली-मुंबई के बाद यूपी पहुंचा कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन, दो लोगों में संक्रमण की पुष्टि

गाजियाबाद (एजेंसी)। कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन तेजी से देश में पैर पसार रहा है। दिल्ली-मुंबई के बाद यूपी में भी ओमिक्रॉन पहुंच गया है। दो लोगों में नए संक्रमण की पुष्टि से खलबली की स्थिति है। गाजियाबाद के बुजुर्ग दंपत्ति में ये वेरिएंट मिले हैं। पिछले महीने दोनों मुंबई से आए थे। दोनों तीन दिसंबर को कोरोना पॉजिटिव पाए गए। संपर्क में आने वाले तीन और लोग संक्रमित मिले हैं। सभी को होम आइसोलेट किया गया था। अब सभी स्वस्थ हो चुके हैं। जीनोम की जांच के लिए सैंपल दिल्ली भेजे गए थे। रिपोर्ट अब आई है। देश में कोरोना केसों की संख्या 100 के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना संक्रमण का यह नया वेरिएंट देश के 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। मंत्रालय की ओर से दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में ओमिक्रॉन के अब 101 मरीज हैं। इनमें से सर्वाधिक 32 मरीज महाराष्ट्र में हैं तो दिल्ली 22 मरीजों के साथ दूसरे स्थान पर है।

कोरोना के खिलाफ मिला एक और देसी हथियार, कोवोवैक्स को डब्लूएचओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना से लड़ाई में एक और देसी हथियार तैयार हो गया है। भारत में बनी कोवोवैक्स वैक्सीन को विश्व स्वास्थ्य संगठन इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने इसको लेकर खुशी जताई है। उन्होंने कहाकि कोवोवैक्स बेहद सुरक्षा और गुणवत्ता दोनों मामले में बेहतर है। गौरतलब है कि कोवोवैक्स भारत की तीसरी वैक्सीन है, जिसे डब्लूएचओ ने मंजूरी दी है। इससे पहले कोविशील्ड और कोवैक्सीन का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले डब्लूएचओ ने कोवोवैक्स को मंजूरी दिए जाने पर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि कोवोवैक्स डब्लूएचओ के सभी प्रक्रिया पर खरी उतरी है। इसकी क्वॉलिटी, सुरक्षा रिस्क मैनेजमेंट प्लान आदि रिव्यू डाटा में सटीक पाए गए हैं। वहीं ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा मैन्युफैक्चरिंग साइट की विजिट भी संतोषजनक रही। डब्लूएचओ द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इमरजेंसी इस्तेमाल की लिस्टिंग से जुड़े तकनीकी सलाहकार ग्रुप ने यह पाया है कि कोवोवैक्स वैक्सीन कोरोना खिलाफ लड़ाई में डब्लूएचओ के सभी मानकों पर खरी उतरी है।

इसके अलावा राजस्थान में 17, कर्नाटक और तेलंगाना में 8-8 लोग इस नए वेरिएंट से संक्रमित हैं। गुजरात और केरल में 5-5 लोग 50 से अधिक म्यूटेशन वाले इस वायरस से पीड़ित मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी ओमिक्रॉन दस्तक दे चुका है और इन राज्यों में अब तक 1-1 मरीज मिले हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि दुनियाभर में ओमिक्रॉन के केस बढ़ रहे हैं और शुक्रवार तक यूके में 11,708 लोग ओमिक्रॉन से संक्रमित हैं तो डेनमार्क में 9009 और नॉर्वे में 1,792 केस मिल चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका, जहां सबसे पहले यह वेरिएंट पाया गया, में अब तक 1,247 लोग संक्रमित हुए हैं। कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और बेल्जियम में 500 से कम केस मिले हैं।

शहीद ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह पंचतत्व में विलीन, बेटे और भाई ने दी मुखाग्नि

भोपाल। शहीद ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। शहीद कैप्टन का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह बैरागढ़ विश्राम घाट पर किया गया, जहां उनके भाई और बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। बेटे को विदाई देते समय पिता रिटायर्ड कर्नल केपी सिंह भावुक हो गए। इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कैप्टन को सैल्यूट कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिजनों को ढांढस बंधाया। अंतिम संस्कार के पूर्व तीनों सेनाओं की टुकड़ी के कैप्टन वरुण सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सेना के श्री-ईएमई सेंटर स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल से ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के पार्थिव शरीर को बैरागढ़ स्थित यथाशक्ति विश्राम घाट पर सुबह 11 बजे लाया गया। फूलों से सजे सेना के ट्रक में वरुण की पार्थिव देह रखी थी। पूरे रास्ते लोग भारत माता की जय, वरुण सिंह अमर रहें ... के नारे लगाते रहे। मिलिट्री हॉस्पिटल से विश्राम घाट के बीच के करीब आधा किलोमीटर के रास्ते में लोगों ने अंतिम यात्रा पर फूल बरसाकर ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को विदाई दी। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के कुन्नूर में 8 दिसंबर को सीडीएस जनरल बिपिन रावत के साथ हेलीकॉप्टर क्रैश में घायल वरुण सिंह का बुधवार को निधन हो गया था। वरुण 7 दिन से बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती थे।

खुद को भारतीय साबित करने में लग गए कई साल अब मुआवजे के लिए कोर्ट पहुंची महिला

गुवाहाटी। भारत की नागरिकता साबित करने के लिए 55 वर्षीय हसीना भानु और उनके बीमार पति ने लंबी लड़ाई लड़ी। उनके मुताबिक इस लड़ाई ने उनको शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाया। अब हसीना भानु ने इसके एवज में मुआवजे की मांग की है। उन्हें उम्मीद है कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय सुनिश्चित करेगा कि उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। उच्च न्यायालय ने महिला को असम की तेजपुर सेंट्रल जेल से रिहा करने का आदेश दिया था।

अपनी रिहाई के एक दिन बाद दरांग जिले के श्यामपुर गांव में अपने घर पहुंची भानु ने शुक्रवार को कहा कि उनका जीवन तबाह हो गया है। उनके पति को कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अपनी खेती वाली जमीन बेचनी पड़ी ताकि यह साबित कर सकें कि वह विदेशी नहीं हैं, बल्कि वास्तविक भारतीय नागरिक हैं। भानू ने कहाकि मेरे साथ घोर अन्याय हुआ, मेरा स्वाभिमान चकनाचूर हो गया। हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और हम आर्थिक रूप से मुश्किलों में फंस गए हैं। मेरी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए मैं गुवाहाटी उच्च न्यायालय और अपने वकील जाकिर हुसैन का आभार जताती हूं। मुझे उम्मीद है कि अदालत अधिकारियों को हमें पर्याप्त मुआवजा देने का निर्देश देगी, नहीं तो हम बर्बाद हो जाएंगे।

हसीना भानु उर्फ हसना भानु को 2016 में भारतीय और 2021 में विदेशी घोषित किया गया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और अक्टूबर 2021 में तेजपुर जेल में एक नजरबंदी शिविर में रखा गया था। हालांकि, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने एक न्यायाधिकरण के पूर्व के फैसले को इस सप्ताह पलट दिया। दरांग विदेशी न्यायाधिकरण ने अगस्त 2016 में भानु की भारतीय नागरिकता को बरकरार रखा था, लेकिन उसी न्यायाधिकरण ने उन्हें तब विदेशी घोषित कर दिया, जब असम पुलिस ने कहाकि वह एक संदिग्ध बांग्लादेशी थीं।

पहले बोलो भारत माता की जय, गुरुग्राम में खुले में नमाज का विरोध करने वालों ने लगवाए नारे

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में खुले में नमाज को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दक्षिणपंथी समूह के कार्यकताओं और नमाज अदा करने आने वाले लोगों के बीच भारत माता की जय का नारा लगाने को लेकर तीखी बहस हुई। संघर्ष के कई वीडियो सामने आए हैं और बताया जाता है कि ये उद्योग विहार में शूट किये गए हैं।

इनमें दिख रहा है कि पुलिस स्थल पर पहुंच रही है और दोनों समूहों से बातचीत कर रही है। इन वीडियोज में दोनों पक्षों के बीच गर्मागर्म बहस सुनने को मिल रही है। एक व्यक्ति नमाज अदा करने आने वाले लोगों से कहते सुना गया कि इसे भारत माता की जय क्यों नहीं कह सकते हो? क्या पाकिस्तान में रहते हो। एक अन्य युवक कह रहा है कि हम तुम लोगों को बाध्य करेंगे और तुम्हें भारत माता की जय कहनी ही पड़ेगी। इस दौरान एक मुसलमान युवक कहता है कि हम लोग नमाज पढ़ने जा रहे हैं। आप लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं। हालांकि उसकी बात अनसुनी कर दी जाती है। इसके बाद यह पक्ष भारत की माता की जय के नारे लगाता नजर आ रहा है। वहीं इस मामले को लेकर प्रशासन और पुलिस ने अबतक कोई बयान जारी नहीं किया है। इस बीच, शहर में मस्जिदों की कमी के चलते प्रशासन ने नमाज अदा करने के लिए जिन स्थानों को चिन्हित किया है, उनमें से ज्यादातर स्थानों पर नमाज हुई है। बहरहाल, मुसलमानों ने सेक्टर 37 के मैदान में जाने से परहेज किया, जहां हिंदू धार्मिक कार्यक्रम चल रहा है। सेक्टर 37 का मैदान उन 20 स्थलों में शामिल है, जिसे प्रशासन ने जुमे (शुक्रवार की) की नमाज के लिए चिन्हित किया है।

बेकाबू स्कॉर्पियो की चपेट में आए एक बच्चे की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज में पुराने यमुना पुल के पास हुए हादसे में घायल तीन बच्चों में से एक समीर बंसल(13) की शुक्रवार को मौत हो गई। एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान सुबह 11 बजे के करीब उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जिसके बाद उन्होंने अंतिम संस्कार कर दिया। उधर पुलिस ने बताया कि मुकदमे में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ा दी गई है।

हादसा 15 दिसंबर की रात हुई थी। पुराने पुल के पास यमुना किनारे झुग्गी-झोपड़ी बस्ती के सामने बेकाबू स्कॉर्पियो ने पैदल जा रहे तीन बच्चों समेत पांच लोगों को टक्कर मार दी थी। इनमें विराज (12), आलोक (12), अक्षय (20) व शिवम(22) के साथ समीर भी शामिल था। पांचों घायलों को रामबाग स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से तीनों बच्चों को एसआरएन रेफर कर दिया गया था। जहां समीर की शुक्रवार को मौत हो गई। एसओ मनोज कुमार यादव ने बताया कि मुकदमे में गैरइरादतन हत्या की धारा बढ़ा दी गई है। फिलहाल आरोपी को मुचलके पर छोड़ दिया गया है।

बलिया के पूर्व विधायक सनातन पांडेय के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए ने बलिया से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक सनातन पांडेय के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह आदेश स्पेशल कोर्ट के जज डॉ दिनेश चंद्र शुक्ला ने प्रकरण की पत्रावली पर सुनवाई करने के बाद दिया है। प्रकरण बलिया जनपद के थाना गढ़वार की है। वादी गिरीश पांडेय ने चार मार्च 2017 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह बसपा प्रत्याशी उमाशंकर सिंह के पोलिंग एजेंट बने थे। मतदान खत्म होने के बाद सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय अपने समर्थकों साथ आकर मारपीट किया और जान से मारने की धमकी दी थी। जिसमें कई लोगों को गंभीर चोटें आई थी। प्रकरण से संबंधित मुकदमा विशेष न्यायालय में सुनवाई के लिए लंबित है।

यूपी में हादसा: इंदिरा नहर में पीलीभीत से आ रही वैगन-आर कार, दो बच्चों समेत चार की मौत

लखनऊ। यूपी के लखनऊ के पास में शुक्रवार की देर रात शाम बड़ा हादसा हो गया। पीलीभीत से नौ लोगों को लेकर आ रही वैगन-आर कार नगराम के भौराखुर्द गांव के पास अनियंत्रित होकर इंदिरा नहर में जा गिरी। पूरी कार नहर में समा गई जिसमें सवार दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने काफी मशक्कत कर ड्राइवर व चार साल के बच्चे व उसके पिता को जीवित निकाल लिया। वहीं चार साल की अनन्या व उसके सगे भाई पांच साल का रुद्र का कुछ पता नहीं चला।

मरने वालों में इन बच्चों की मां संगीता भी है। वहीं क्रेन के तीन घंटे तक न पहुंचने और बचाव कार्य में देरी होने से नाराज ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक हंगामा किया। करीब सात बजे तक राहत कार्य चला, फिर अंधेरा होने की वजह से बचाव कार्य बंद करना पड़ा। कार में सवार सभी लोग नगराम में रिटायर आईएएस के फार्म हाउस पर चौकीदार से मिलने आ रहे थे। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

पीलीभीत के बिलसंडा गांव में रहने वाले गंगा प्रसाद रिटायर आईएएस के अचलीखेड़ा स्थित फार्म हाउस पर चौकीदारी करते हैं। उनकी बेटी संगीता (32) अपने बच्चों अनन्या, चाहत व रुद्र और सास रूपादेवी (50) व रिश्तेदार के बेटे रुपेश (14), गोधन और इनके बेटे चार साल के कपिल के साथ पीलीभीत से शुक्रवार तड़के कार से निकली थी। कार कुलदीप चला रहा था। संगीता के साथ ये सभी लोग गंगा प्रसाद से मिलने आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नगराम के भौला खुर्द गांव के पास अपरान्ह तीन बजे तेज रफ्तार से आ रही यह कार अनियंत्रित हो गई और इंदिरा नहर में गिर गई। नहर के किनारे मौजूद लोगों में चीख पुकार मच गई। मल्लाह और स्थानीय गोताखोर लोगों को बचाने के लिये नहर में उतर गये। कुछ दूरी तक कार तैरती हुई दिखी, फिर वह पानी में समा गई। इसी बीच गोताखोरों ने ड्राइवर कुलदीप, गोधन व उसके बच्चे कपिल को जीवित बाहर निकाल लिया। इस हादसे की खबर मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गये। इनमें कुछ लोग टार्च लिये हुये थे तो किसी ने अलाव जला लिया था। नगराम पुलिस, एसीपी मोहनलालगंज दिलीप कुमार पूरी टीम के साथ वहां पहुंचे थे। पुलिस ने भी सर्च लाइट जला ली थी। इस बीच क्रेन को बुलाया गया ताकि कार को बाहर निकाला जा सका। स्थानीय गोताखोरों ने कई बार डुबकी लगायी लेकिन अन्य लोगों का पता नहीं कर पा रहे थे।

नशीला पदार्थ खिलाकर रियल इस्टेट कर्मचारी से दुष्कर्म

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज निवासी रियल इस्टेट कंपनी कर्मचारी को नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। कंपनी में बतौर टेलीकॉलर काम करने वाली युवती ने कैंट पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि एक दिन फोन पर उसकी बातचीत शाह मुहम्मद तारिक से हुई। इसके बाद वह उससे कई बार मिला और फिर अपने घरवालों से भी मिलाया। एक दिन आरोपी के माता-पिता व बहन ने उसके सामने तारिक से शादी का प्रस्ताव रखा। समुदाय अलग-अलग होने की बात कहकर उसने इंकार किया तो उसे धमकाया गया। इसके बाद वह कैंट में किराये पर रहने लगी।

बलात्कार टिप्पणी मामला: कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मांगी माफी, कहा- सुनिश्चित करेंगे दोबारा ऐसा न हो

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक केआर रमेश कुमार की ओर से विधानसभा बलात्कार को लेकर दिए गए विवादित बयान के एक दिन बाद अब राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने महिलाओं से माफी मांगी है। पार्टी विधायक की ओर से की गई अभद्र टिप्पणी पर डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गहरा दुख हुआ है और वो सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह की टिप्पणी फिर भी नहीं की जा जाएगी। शुक्रवार को एक के बाद एक दो ट्वीट करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में मुझे बहुत दुख हुआ है कि एक कांग्रेस विधायक ने ऐसे शब्द बोले हैं। कर्नाटक की सभी महिलाओं के लिए, मुझे खेद है और मैं यह सुनिश्चित करूंगा की इस तरह के शब्द कभी न दोहराए जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि यह पार्टी के मूल्यों के खिलाफ है। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि वो कर्नाटक विधानसभा में हमारे अपने एक विधायक की ओर से बोले गए शब्दों की निंदा करती है। महिलाओं के खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी कांग्रेस पार्टी लैंगिक समानता के मूल्यों के खिलाफ है। वहीं, कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर ट्वीट किया, मैं के आर रमेश कुमार द्वारा दिए गए बयान की पूरी तरह निंदा करती हूं। यह समझ से परे है कि कोई कैसे इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर सकता है।

खबर संक्षेप

खुद की शादी में डीजे बुक कर लौट रहे युवक व उसके दोस्त की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। अपने शादी के लिए डीजे बुक करने गए युवक व उसके दोस्त की गुरुवार देर रात नैनी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे का शिकार हो गए । दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज चल रहा है।तीनों युवक एक ही बाइक में देर रात अपने घर जा रहे थे। नैनी के मलहरा ओवर ब्रिज में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर ओवर ब्रिज की रेलिंग से टकरा गई। जानकारी के अनुसार घुरपुर थाना के खटंगिया गांव निवासी अनूप कुमार उर्फ छोटू पुत्र जगदीश कुमार की 24 फरवरी को शादी तय थी। उसकी शादी नैनी चाका गांव निवासी राजेन्द्र भारतीय की पुत्री के साथ होनी थी।

एक बाइक पर बैठे थे तीन दोस्त

गुरुवार को वह गांव के ही अमित उर्फ नवी भारतीय (25) पुत्र रमेशचंद व अपने साले संदीप भारतीय (20) पुत्र राजेंद्र कुमार और दोस्त अनुज के साथ नैनी में अपनी शादी के लिए बैंडबुक करने आया था। देर रात तीनों एक ही बाइक से नैनी से वापस घर की ओर लौट रहे थे।

अराजकता फैला रहे युवक के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

ब्लैकमेल करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप, आरोपी ग्राम देवी बांध कोरांव का है निवासी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शुक्रवार को डिप्टी लेबर कमिश्नर प्रयागराज मंडल कार्यालय में अधिकारी के साथ बदतमीजी किए जाने,अशांति फैलाने,सरकारी कार्य में बाधा डालने,अधिकारी को अपशब्द कहने,जान से मारने तथा अन्य धमकियां देने के मामले में कोरांव तहसील अंतर्गत ग्राम देवीबांध थाना खीरी निवासी ब्लैकमेलर मनीष शर्मा नाई के विरुद्ध थाना कोतवाली कर्नलगंज में संगीन धाराओं में लेबर कमिश्नर ने मुकदमा दर्ज कराया। मुलजिम पुलिस के गिरफ्तारी के डर से फरार हो गया है।

वही मुलजिम की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत रही। आपको बताते चलें कि मनीष शर्मा नामक युवक निवासी देवीबांध कोरांव आए दिन किसी न किसी अधिकारी के कार्यालय में जा कर अपने को एक हाईकोर्ट के जज का रिश्तेदार बता कर रौब जमांता रहता था। और आरटीआई के तहत आवेदन डाल डाल कर हर विभागों से मोटी रकम की फरमाइश करता रहता है , तथा फरमाइश पूरी ना होने पर शिकवा शिकायत करना, उसका मुख्य व्यवसाय बन चुका था। अपने को जिला अपराध निरोधक समिति का पदाधिकारी बता कर कई ग्राम प्रधानों से कथित पत्रकार बता कर तो कहीं टीवी चैनल का पत्रकार बता कर धन ऐंठने का काम करता था। साथ ही कई श्रमिक महिलाओं युवतियों को भी परेशान करने ब्लैक मेल कर कुछ अफसरों के पास पहुंचवा कर मालामाल किए जाने का प्रलोभन देने का कार्य एवं श्रमिक योजनाओं के लाभार्थियों से जबरन धन ऐंठने का काम कर लोगों को परेशान करता था। ऐसा लोगों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है। शुक्रवार को इसी तरह की हरकत करने ब्लैक मेल करने तथा अफसरों कर्मियों से मारपीट बदतमीजी करने सरकारी कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने पर उप श्रमायुक्त प्रयागराज मंडल आर के दुवेदी ने खुद थाना करनल गंज में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। कोतवाल कर्नलगंज ने बताया कि मुकदमा दर्ज हो गया है। यह भी चर्चा है कि मनीष शर्मा ने एक रैकेट बना कर अफसरों पुलिस कर्मियों, ग्राम प्रधानों, तहसील कर्मियों, ब्लॉक कर्मियों, आपूर्ति कार्यालय, श्रम कार्यालय आदि विभागों में धौंस पट्टी दिखा कर ब्लैक मेली का कार्य करने का आदि है। उक्त मुलजिम के साथ कोराव के दो चार लोगों का गिरोह है। जिसमे एक ग्राम अल्हवा के कोटेदार का पुत्र युवक भी उसका साथी है। जो विवेचना के बाद पुलिस की गिरफ्त में आ सकता हैं। उक्त कथित अपराधी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने से कई श्रमिकों में हर्ष व्याप्त है। इस संबंध में उप श्रमायुक्त प्रयागराज मंडल आर के द्विवेदी ने बताया कि आफिस में घुस कर अराजकता फैलाने सरकारी कार्य में बाधा डालने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। ऐसे तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई किया जाना जरूरी है।

ब्लैक मेलर को कुछ श्रम अधिकारी कर्मी भी देते रहे संरक्षण

चर्चा है कि उक्त कथित अपराधी को श्रम विभाग के कुछ इंस्पेक्टर जो कोरांव इलाके में श्रमिक योजनाओं के आवेदन सेटिंग सिस्टम के तहत करवाते थे और आवेदन पास कर-के लाभ उठाते थे। और जो उक्त सिस्टम में नहीं फंसते थे उनके आवेदन अपात्र दिखा कर निरस्त कर देते थे। और विभागीय गुप्त सूचनाएं भी उसे दे कर वरिष्ठ अफसरों के विरुद्ध शिकायतें भी कराते थे। जिससे उस अपराधी के हौंसले बुलंद थे। जो जांच का विषय है।

कांग्रेस के नेतृत्व में यूपी में बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार : आनंद प्रकाश शुक्ला

लेडियारी। कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं विधानसभा कोरांव के प्रभारी आनंद प्रकाश शुक्ला उर्फ बबलू शुक्ल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सदस्यता अभियान युद्ध स्तर पर विधानसभा के तमाम ग्राम सभा में चलाया जा रहा है जिसके तहत आज ग्रामसभा ढेरहन में चौपाल लगाकर उपस्थित लोगों को पार्टी की नीतियों एवं विचारों के बारे में बताया गया एवं अपने शपथ पत्र का विवरण भी किया गया'। उन्होंने कहा कि आज समूचा प्रदेश सांप्रदायिकता की आग में जल रहा है और विकास की बातें करना कोरी बात होगी। इसी क्रम में जिला महासचिव रजनीश रामदास ने पार्टी की नीतियों एवं विचारों से सहमत होकर कांग्रेस की सदस्यता लेने वाले सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया। कुछ दिन पूर्व प्रियंका गांधी के नेतृत्व में चलाई गई रथ यात्रा का संपूर्ण प्रदेश भर में प्यार दुलार मिला। इस मौके पर मोहम्मद तालिब अंसारी, जटाशंकर तिवारी, हौसला प्रसाद पांडे, श्याम पांडे, रमाशंकर तिवारी, राम कैलाश पांडे, शिव शंकर तिवारी, शालिग्राम पाल, मोती चंद्र कुशवाहा, शिव प्रकाश मिश्र, मनोज तिवारी, धनंजय द्विवेदी, संतोष दुबे आदि रहे।

न्यूज झरोखा

प्रथम बार मतदाता बनने वाले विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित

घूरपुर। क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों मे शुक्रवार को युवा समाजसेवी अभिषेक सिंह पटेल के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीणों सहित छात्र - छात्राओं को जागरूक किया गया।इसी क्रम मे श्रीमती इंद्र कली पटेल जूनियर हाईस्कूल मे केंद्रीय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र श्री पटेल के द्वारा वृक्षारोपण के साथ ही 18वर्ष पूर्ण करके प्रथम बार मतदाता बनने वाले विद्यार्थियों को पेन, डायरी एवम पौधे भेंट करके सम्मानित किया जाएगा जिसकी घोषणा के पश्चात ही युवाओं मे खुशी लहर दौड़ पड़ी।इसके साथ श्री पटेल के द्वारा अर्थशास्त्र विषय मे अपार संभावनाओं को लेकर उक्त विषय से सम्बंधित अनेकों जानकारियां बहुत ही रुचिकर तरीके से विद्यार्थियों के मध्य साझा किया गया।उक्त अवसर पर प्रबंधक शिव प्रसाद पटेल , राज नारायण पटेल, गौरी प्रसाद सिंह, चंद्र प्रताप पटेल समेत अर्पिता सिंह, अंशु सिंह, रिशू पटेल, अंशु पाल, प्रियांशी गुप्ता आदि छात्राएं मौजूद रहीं।

मां विंध्यवासिनी धाम के संस्थापक के निधन पर क्षेत्रवासियों ने जताया शोक

करछना। क्षेत्र के अंतर्गत तहसील के घटवा गांव में स्थित प्राचीन मां विंध्यवासिनी धाम के संस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी पंडित परमानंद मिश्रा के निधन पर क्षेत्रवासियों ने संवेदना प्रकट की शुक्रवार को उनके परिजनों द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु वृष उत्सर्ग का आयोजन कराया गया जिसमें सैकड़ों की तादाद में ग्रामीण एवं उनके परिवार के लोग मौजूद रहे साथ ही साथ भारी संख्या में उनके शुभचिंतक भी वहां मौजूद रहे शोकाकुल परिवार से (मां विंध्यवासिनी मंदिर के प्रबंधक रमाकांत मिश्रा, उमाकांत मिश्रा, विजय शंकर मिश्रा, दीप नारायण मिश्रा, महेंद्र कुमार मिश्रा, (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी हाईकोर्ट इलाहाबाद) विनय मिश्रा, शैलेंद्र मिश्रा, स्वतंत्र कुमार मिश्रा, सूरज मिश्रा, सोनू मिश्रा, गौतम मिश्रा, एवं समस्त शोकाकुल परिवार मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन (गुट) प्रयागराज का जिला सम्मेलन 23 को

करछना। सरदार पटेल सेवा संस्थान किसान भवन सभागार अलोपी बाग प्रयागराज में होगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक विधायक माननीय लाल बिहारी यादव व विशिष्ट अतिथि माननीय वासुदेव यादव पूर्व शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश सदस्य विधान परिषद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष हेमंत कुमार टुन्नू व सपा जिला अध्यक्ष योगेश चंद्र यादव, श्याम लाल पाल, सहित अनेक शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहेंगी। ज्ञात हो कि आगामी 21 दिसंबर को आयोजित होने वाला जिला सम्मेलन प्रधानमंत्री के आगमन के कारण स्थगित होकर 23 दिसंबर को संपन्न होगा।संघ के जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू ने प्रेस के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रबंधक प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीयों से जिला सम्मेलन में समय से पहुंचकर जिला सम्मेलन को सफल बनाएं। राम नारायण लाल इंटर कॉलेज करछना में शिक्षकों की एक बैठक तहसील अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सेवा नियमावली बनवा कर सम्मानजनक मानदेय एवं मान्यता की विसंगत धारा 7(क) क,को सुसंगत धारा 7(4)में परिवर्तित करने एवं शिक्षक व कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली व मदरसों के आधुनिक शिक्षकों का रुके वेतन भुगतान पर बृहद चर्चा की गई।तथा शिक्षकों से अपील की गई कि भारी से भारी संख्या में पहुंचकर अपने जिला सम्मेलन को सफल बनवाएं।

एनटीपीसी मेजा की लापरवाही से लेबर और सप्लायर भुखमरी के कगार पर

अखंड भारत संदेस

पैसों की मार से लेबर व ठीकेदार हुए परेशान सप्लायर एवं ठीकेदार करोडों के कर्ज में डूबे

एन टी टी पीसी अधिकारियों से परेशान मजदूर

करछना। प्रयागराज जिले के अन्तर्गत कोहडार मे स्थित मेजा ऊर्जा निगम थर्मल पावर प्रोजेक्ट की बड़ी धांधली आई सामने सभी लेबरों, ठिकेदारो, और सप्लैयारों, की 6 महीने कि पेमेंट रोक दी गई है जिसकी वजह से लेबारों और सप्लायर के अंदर भारी आक्रोश व्याप्त है। लेबर जो की बाहर से आकर यहाँ रात दिन काम किये है उनकी मेहनत का पैसा भी उन्हे नही मिल पा रहा। सप्लायर जो की करोड़ो रुपए का कर्ज लेकर एनटीपीसी को समान दिया है उनका करोड़ो रुपए रोक लिया गया है साथ ही साथ वहाँ काम कर रहे लेबर , ठीकेदार, और सप्लायर भुखमरी के कगार पर है। जब अधिकारियों से वो अपना पैसा मांगते है तो उन्हे वहां से भगा दिया जाता है और अभद्र व्यवहार किया जाता है इतना ही नही जब अधिकारियों से परेशान होकर लेबारों और सप्लैयारों ने प्रशासन को सूचना दी तो उन सभी का गेट पास निरस्त करवा दिया गया । सिंपलेक्स नाम की एक कंपनी है किसने एनटीपीसी मेजा का ठेकेदारी पर काम करती है मिली हुई सूचना के मुताबिक करीब 2 साल से सिंपलेक्स कंपनी ने सभी लेबरों ठेकेदारों एवं सप्लायर्स की पेमेंट रोक रखी है मांगने या सूचना देने पर अभद्र तरीके से व्यवहार किया जाता है और वहां से भगा दिया जाता है अब लेबर सप्लायर्स और ठेकेदारों का कहना है जब तक हमारा एक एक रुपए नहीं मिलेगा तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हड़ताल या धरने का भी सहारा लेंगे क्युकी 2 साल से लेबरों से काम करवा कर और सप्लायर्स से सामान लेकर उन सभी का करोड़ों का पेमेंट रोक कर रखा गया है जिससे सभी ले बस और सप्लायर्स भुखमरी के कगार पर आ गए हैं सप्लायर की माने तो लेबर और ठेकेदारों का मिलाकर तकरीबन ?30 करोड़ से ऊपर का पेमेंट सिंपलेक्स कंपनी द्वारा रोके रखा गया है पेमेंट देने की जिम्मेदारी कोई भी अधिकारी नहीं ले रहा साथ ही साथ सिम्प्लेक्स कंपनी के छोटे कर्मचारियों जैसे ड्राइवर मकैनिक और सिक्योरिटी गार्ड जिनकी सैलरी 10 से 30 हजार है उनकी भी पैमेंट् रोक दी गई है सभी कर्मचारी भुखमरी के कगार पे है इस विषय में प्रशासन को अवगत करा दिया गया है। मेघमा सप्लायर अनुपम पांडे श्रद्धा इंटरप्राइजेज अर्चना सिंह । ठेकेदार मुनीश कुमार विक्रम कुमार दिनेश चंद संगीता देवी राजकुमार मिश्रा रितेश कुमार रंजीत प्रसाद लेबर सुधीर राजबार विकास कुमार गया पासवान इन जैसे कई लोगों का तकरीबन 20 से 30 करोड़ रुपए एनटीपीसी ने रोक कर रखा है जिससे सभी कर्मचारी और लेबर भुखमरी के कगार पर आ चुके हैं।

गावों का विकास किये बिना देश का विकास संभव नहीं हैं : प्रोफेसर डा. अस्मिता सिंह

जसरा। भारत गावों देश हैं। देश की प्रगति तभी संभव हैं गाँव खुशहाल एवम समृद्ध होंगें इसलिए बिना गावों के समृद्ध बनाएं देश का सम्पूर्ण विकास नहीं किया जा सकता हैं उक्त बातें इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डा. अस्मिता सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गावों के विकास हेतु अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहीं थी इस दौरान उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान करते हुए बोलीं कि उनके द्वारा जनपद के यमुनापार मे करछना विकासखण्ड के चनैनी गाँव को गोद लिया गया हैं जिसके लिए विभिन्न मदों मे 50लाख की मद खर्च किया जाना हैं। इसके साथ ही यमुनापार के ही तीन विद्यालयों मे भी सोलर उपकरण स्थापित किया जाना हैं। ग्रामीणों समेत अन्य सभी लोगों को 18नवंबर तक सोलर उपकरण प्रदान कर दिए जाएंगे। आगामी 20दिसम्बर को चनैनी गाँव मे विभिन्न कार्यो हेतु 50लाख की धनराशि सौपी जायेगी जिसे पेयजल, स्वच्छता, शौचालय, शिक्षा इत्यादि कार्यो मे खर्च किया जाएगा। प्रोफेसर डा. अस्मिता सिंह जी ने 20दिसम्बर को चनैनी गाँव मे आयोजित कार्यक्रम शिरकत करने अपील की हैं।इस दौरान उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान करते हुए यह भी बोलीं कि दो दिवसीय बैंकिंग हड़ताल के चलते सभी उपकरण 18दिसम्बर से लेकर 19दिसम्बर को सभी उपकरण पात्र व्यक्तियों को सौपा जाएगा।

हमने चुना है देश,तुम सोचो कि तुमने क्या चुना...

मंच पर कवि और उपस्थित श्रोता गण

अखंड भारत संदेस

स्वाभिमानऔर शहीदों की शौर्यगाथा का बखान कर कवियों ने लूटी तालियां

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में राष्ट्रप्रेम की गूंज के बीच देर शाम तक जमें रहे श्रोता

करछना। इस देश के दो गीत हैं, एक चुनकर गुनगुना,हमने चुना है देश,तुम सोचो कि तुमने क्या चुना। विजय दिवस के मौके पर स्थानीय करछना में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के दौरान इटावा से आए चर्चित ओजकवि राम भदावर की ऐसी पंक्तियों पर भारत मां के जयकारों से पाण्डाल गूंज उठा। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्यअतिथि अजय शुक्ला और विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन,माल्यार्पण और रींवा मध्यप्रदेश से आई कवयित्री क्रांति पांण्डेय द्वारा प्रस्तुत वाणीवंदना के साथ हुआ। देश के युवाओं की पसंद गीतकार प्रसिद्ध लेखक,कवि निलोत्पल मृणाल ने शब्द रंगों सेश्रोताओं के बीच राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। कवि संतोष शुक्ल समर्थ ने कहा, जब तन मन पर हो चढ़ा देश भक्ति का रंग।जीती जाती है तभी दुनिया की हर जंग।। ओज कवि कनक तिवारी ने,जगत जानता राष्ट्र गौरव हमारा,तो क्या कर सकेंगे ये कौरव हमारा जैसी पंक्तियों से गौरव गाथा को बयां कर खूब तालियां बटोरी तो वहीं युवाओज कवि विपिन सिंह की पंक्तियों पर भी श्रोता रोमांचित हो भारत माता के जयकारे लगाते रहे। हास्य कवि अखिलेश द्विवेदी और नजर इलाहाबादी ने छंदों मुक्तकों के माध्यम से वर्तमान में व्याप्त राजनैतिक,सामाजिक विकृतियों पर तंज कसते हुए लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर किया। वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ल ने वासंतीगीत के माध्यम से कार्यक्रम में खूब समां बांधी। डॉ.श्रेश गौतम के दोहों और मुक्तकों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना की झलक मिली तो वहीं शिवम् भगवती ने राधा कृष्ण प्रेम से जुड़ी पंक्तियों पर खूब तालियां बटोरी। संदीप शुक्ल के बाद जितेंद्र मिश्र जलज कहा,दीप पर जां लुटाता पतंगा रहे,हम रहें ना रहें यह तिरंगा रहे।मंच की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ छंदकार फतेह बहादुर सिंह ऋषि राज ने हल्दीघाटी और राणा के शौर्य का बखान करते हुए अपनी पंक्तियों पर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच का संचालन कर रहे अशोक बेशरम ने कहा देश प्रेम प्याला पिये,बने मतवाला आला,अंग में बसंती बेस देश के जवान की। जानकी के देश में ना जाने कई जान गईं, जननी के जान बाजी दिए निज जानकी।। इसके पूर्व लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव और मिश्र बंधुओं ने देश गीत और मंगल गीत प्रस्तुत करते हुए लोगों को भाव विभोर किया। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई तो वही विशिष्ट अतिथि डॉक्टर भगवत पांडेय ने साहित्य दीप जलाए रखने के लिए करछना के युवाओं को बधाई दी। मंच पर आयोजन समिति ने सभी कलमकारों को प्रतीक चिन्ह और शाल प्रदान कर सम्मानित करते हुए सभी के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य त्रिवेणी प्रसाद पांण्डेय, सेवालाल, जीपी सिंह, पटेल, डॉ.पप्पू यादव, जीतेन्द्र तिवारी, चिंतामणि शुक्ल, हंसराज सिंह, अभिषेक सिंह, प्रिंस सिंह, विन्देश्वरी प्रसाद मिश्र, मदन मोहन शंखधर, केपी तिवारी, विष्णु शुक्ला, इन्द्रप्रताप सिंह, अमर बहादुर सिंह, डी आर सिंह, डॉ.दिनेश सोनी, रंगराज सिंह, डॉ.वाई पी सिंह, चन्द्रवीर, जी.पी.सिंह, सिद्धनाथ सिंह, दीपू सिंह, वेदश्रीवास्तव, राजेश शुक्ला लाल दिवाकर सिंह, रिंकू सिंह, राजू सिंह, राजकुमार मिश्रा, कुलदीप मिश्रा, आनंद तिवारी नागेंद्र सिंह, अमन मिश्रा, आदि रहे।

धीरेन्द्र कुमार सिंह बने घूरपुर के थानाध्यक्ष

घूरपुर। जनपद के तेज तर्रार एसओ धीरेंद्र कुमार सिंह को उतराव थाना से स्थानांतरण कर घूरपुर थाना के प्रभारी बनाया गया है। वहीं घूरपुर थाना के प्रभारी रहे राकेश कुमार राय को नवाबगंज का चार्ज दिया गया है। बताया जाता है कि धीरेंद्र कुमार सिंह इसके पहले उतरांव थाना मे बतौर थानाध्यक्ष पद पर रहते हुए क्षेत्र के अपराधियो के उपर काफी अंकुश लग चुके है।वही घूरपुर मे अब बतौर थानाध्यक्ष बने धीरेन्द्र कुमार सिंह के ऊपर घूरपुर क्षेत्र की जनता के ऊपर बिश्वास है कि यहां पर भी अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर उन अपराधियों के खिलाफ अंकुश लगाकर अपराधियों विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करेंगे तथा अपराध पर रोक लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

भाजपा चुनाव संचालन समिति की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

भाजपा चुनाव संचालन समिति की बैठक में शामिल वरिष्ठ भाजपा नेता

सहसों। भाजपा गंगापार की अन्दावा स्थिति आशिर्वाद गेस्ट हाउस में कौशांबी, यमुनापार,महानगर,गंगापार, प्रतापगढ़ जिले के चुनाव विधानसभा चुनाव संचालन समिति की संयुक्त बैठक समपन्न हुई। बैठक मे प्रदेश सह संगठन महामंत्री धनपाल जी ने संगठन के महापुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पार्चन, दिपप्रज्वलन कर वन्देमातरम के सुमधुर गीत गाकर शुभारंभ हुआ।

गंगापार जिलाध्यक्ष अश्विनी कुमार द्विवेदी, महानगर जिलाध्यक्ष गणेश केशरवानी, यमुना पार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती, कौशाम्बी जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि जी का पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धनपाल जी ने जिला व विधानसभा चुनाव संचालन समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी का बोध कराते हुए कहा जिला पदाधिकारी, विधानसभा पदाधिकारी मण्डल स्तर एंव शक्तिकेन्द्र तथा बूथ तक टीम स्प्रीट एंव मेन्टली फिजकली क्वार्डिनेशन के रुप मे काम करना बहुत ही आवश्यक है। मतदाता तक जाने के लिए विभिन्न प्रकार के संगठन द्वारा अभियान आए हैं। हम निरन्तर बूथ शक्तिकेन्द्र मण्डल जिला का निरन्तर सम्पर्क समन्वय सम्बाद होना आवश्यक है। विधानसभा प्रभारी की भूमिका है कि पन्ना प्रमुख , बूथ समिति के पदाधिकारी का आपसी समन्वय ज्यादा से ज्यादा हो छोटे बड़े सभाओं के लिए विधानसभा स्तर पर स्थान चिन्हित कर लें। सरकार की बहुत ही महत्वपूर्ण महतवाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री जनधन योजना, आयुष्मान भारत, उज्जवला गैस, शौचालय, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुमंगला योजना के लाभाथीर्यों से घर घर जाकर सम्पर्क करें।प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार बूथ स्तर पर हो।माननीय प्रधानमंत्री जी का आगमन 21 दिसम्बर 2021को प्रयागराज में हो रहा है। इस अभियान मे सरकार के माध्यम से स्वयं सहायता समूह, बी.सी.सखी,गैर सरकारी संगठन के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। लेकिन संगठन के लोगों को भी लगना है इस कार्यक्रम में सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ता शामिल हो।

अभी तक संगठन ने सभी को शिक्षा दीक्षा दिया है अब परीक्षा की तिथि नजदीक आ रही है परीक्षा मे सफलता मिले यही पार्टी एवं संगठन की अपेक्षा है। सभी कार्यकताओं को सर्व प्रथम अपने मन मे निश्चित कर संगठन के आने वाले कार्यक्रम मे अपने समय पर जबाबदेही के साथ पूरा करना है। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री सन्तोष पटेल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष नव नियुक्त रेल मंत्रालय भारत सरकार के वित्त विभाग के निदेशक अमरनाथ यादव, वीरेंद्र शुक्ल, प्रभात श्रीवास्तव, श्याम विहारी पाण्डेय, अमरनाथ तिवारी, प्रभाशंकर पाण्डेय, आशीष केसरवानी, अनिरुद्ध सिंह पटेल, कुंज विहारी मिश्रा, अरूणेन्द्र यादव व मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने भी अपने अपने विचार कार्यकताओं के बीच रखे।

पीएम ने दिया किसानों को प्राकृतिक खेती का मूल मंत्र

अखंड भारत संदेश

सहसों। प्रधानमंत्री ने देश के अन्नदाता किसानो को देसी गाय व प्राकृतिक खेती करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन को गुरुवार को विकास संस्थानों में उपस्थित किसान एवं अन्य लोगों ने सुना। वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय दोगुना करना एवं प्राकृतिक खेती करें। क्योंकि आज हमें अपनी मिट्टी को बचाना है। रासायनिक खादों के अधिक प्रयोग के कारण खेतों की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही हैं। लाख प्रयास करने के बावजूद उत्पादन में वृद्धि नहीं हो पा रही हैं।अब समय आ गया है कि हमें प्राकृतिक खेती करनी चाहिए। जिसके लिए हमारी देसी गाय महत्वपूर्ण है। किसान गाय का गोबर गाय का मूत्र एवं केंचुए की खाद का प्रयोग करें। जिससे खेतों में सूक्ष्म जीवाणु मित्र बने रहेंगे जो खेती के लिए उपयुक्त होते हैं। प्राकृतिक खेती से जीवाणु मित्र की संख्या में वृद्धि कर सकते हैं। जिससे हमारी पैदावार बढ़ सकती हैं। प्रधानमंत्री ने किसानों से आवाहन किया कि देसी गाय का गोबर एवं मूत्र से खाद बनाकर हम उर्वरा शक्ति को बढ़ा करके प्राकृतिक खेती कर सकते हैं। जिससे उत्पादन दोगुनी होगी और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। इस अवसर पर सहसों ब्लाक प्रमुख गीता सिंह, जिला महामंत्री जीत लाल त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा लक्ष्मी कांत उपाध्याय, भूपेंद्र मिश्रा, मनोज तिवारी, अनिल सरोज, पवन कुमार शुक्ला, नरेंद्र कुशवाहा, पुष्कर सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , दिलीप मौर्य, रवि गुप्ता, चंद्रमोहन, शैलेंद्र मौर्य, राजेंद्र प्रसाद आदि ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

पीएम किसान संवाद कार्यक्रम प्रतापपुर ब्लाक सभागार में संपन्न

प्रतापपुर। अश्विनी द्विवेदी जिलाध्यक्ष भाजपा गंगापार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री किसान संवाद कार्यक्रम प्रतापपुर ब्लाक सभागार में संपन्न हुआ।जिसमें सरकार की योजनाओं से किसानों को अवगत कराया गया एवं किसानों की समस्याओं को लेकर उनसे संवाद किया गया।इस अवसर पर ईश्वरचंद्र बिंद, संजय मिश्र बनकटा, अरविन्द विश्वकर्मा, राजकुमार पटेल, रूद्रप्रताप सिंह, संदीप गुप्ता, सच्चिदानंद त्रिपाठी, श्यामधर शर्मा, उदयवीर प्रजापति, अच्छेलाल पटेल मंडल, गुड्डू मिश्रा, अतुल सिंह, दारासिंह, आचार्य मयंक मिश्रा, विभव सिंह, लालेश पटेल, राजेश शुक्ला, मनोज दुबे, विनय दुबे सहित सैकड़ों की संख्या में किसान एवं समूह की महिलाए उपस्थित रही।

खबर संक्षेप

चार बार बढ़ी तिथि, फिर भी पिछले साल से कम परीक्षार्थी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के प्रति विद्यार्थियों का मोह भंग हो रहा है। पिछले साल की अपेक्षा लगभग सवा चार लाख कम अभ्यर्थियों ने यूपी बोर्ड 2022 की परीक्षा के लिए आवेदन किया है। इस बार की बोर्ड परीक्षा में कुल 51,74,583 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जबकि पिछले साल यह संख्या 56 लाख से अधिक थी। यूपी बोर्ड की परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या कम होने का यह आलम है पिछले तीन सालों से बना हुआ है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा 2022 के लिए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों को बोर्ड परीक्षा फार्म भरने के लिए चार बार तिथि बढ़ाई गई है। सितंबर से परीक्षा फार्म भरने का सिलसिला शुरू हुआ था। इसके बाद बोर्ड ने चार बार परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ाई।15 दिसंबर को निर्धारित अंतिम तिथि तक हाईस्कूल में 27,83,742 और इंटर में 23,91,841 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।यानी कुल 51,74,583 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इससे पहले नवंबर में अंतिम तिथि तक हाईस्कूल और इंटर में कुल 51.55 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा फार्म भरा था। लगभग 19 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा फार्म भरने के तिथि बढ़ाने के बाद आवेदन किया है। वहीं नौवीं में 31,92,815 और 11 वीं में 26,78,123 छात्र-छात्राओं ने अग्रिम पंजीकरण कराया है।

करछना में अज्ञात बदमाशो ने युवक को मारी गोली हुई मौत , हड़कंप

करछना थाना क्षेत्र के हथसरा गांव के मजरा ताला की देर शाम हुई घटना

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हथसरा के ताला गांव निवासी श्याम सुन्दर आदिवासी 22 पुत्र भाई लाल आदिवास गांव के बाहर कुछ दूरी पर अज्ञात बदमाशो ने शीने में गोली मार कर हत्या कर फरार,हो गयें गोली युवक के शीने को चीरते हुए आर पार हो गयी युवक दो बहन और वह अकेला भाई था गोली की आवाज सुन कर गांव के लोग मौके पर पहुचे तों युवक की की मौत हो चुकी थी घटना शुक्रवार को शाम 7,30बजे की बताई जा रही है ।घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया, घटना की जानकारी करछना पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है कि ।बताया जा

मृतक श्याम सुन्दर आदिवासी

रहा है कि मृतक की पांच महीने पहले ही उसकी शादी भी हो चुकी थी ।गोली चलने और युवक की मौत से पुलिस के हाथ पाव फूल गये, आनन फानन में अज्ञात बदमाशो केलिए धर पकड तेज कर दिया, वही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

लापता सब्जी कारोबारी की पेड़ से लटकती मिली लाश, हत्या की आशंका

प्रयागराज। सप्ताह भर पहले घर से लापता सब्जी कारोबारी की लाश दरी पहाड़ी के पास सुनसान स्थान पर एक पेड़ से लटकती हुई दिखी तो सनसनी फैल गई। सूचना पर बदहवास हालात में मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इलाकाई पुलिस घटना की छानबनी में जुटी हुई है। वहीं परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मेजा के सुकाठ गांव के अभयराज कुशवाहा (35) सब्जी कारोबारी थे।11 दिसंबर की सुबह 11 बजे अभयराज घर से भटौती के लिए निकले थे, लेकिन शाम तक वे लौटे ही नहीं। परिजनों की बेचैनी बढ़ती गई। परिजनों ने हर संभव स्थान पर खोजबीन की लेकिन उनका कुछ भी पता नहीं चला। इस मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली थी। शुक्रवार शाम को दरी पहाड़ी के पास कुछ लोग अपनी मवेशियों को लेकर उधर गुजरे तो एक जंगली पेड़ से लटकती हुई लाश दिखी तो वे वहां से भाग खड़े हुए। कुछ देर में वहां पर काफी भीड़ जुट गई। कुछ लोगों ने लाश की शिनाख्त सुकाठ के लापता सब्जी कारोबारी अभयराज कुशवाहा के रूप में की। परिजन भी आ गए। पत्नी रीता देवी तो दहाड़ मारकर रोने लगी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मृतक सब्जी कारोबारी को दो बेटी और एक बेटा है।

बाइक व ट्रैक्टर की भिड़ंत में 15 वर्षीय युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र के सैम्हा गांव में शुक्रवार को सायं 6 बजे के आसपास बाइक व ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत हो जाने से बाइक सवार 15 वर्षीय युवक की जहां मौके पर ही कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बाइक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव ले आया गया जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक अर्जुन पुत्र रणधीर उर्फ कलक्टर निवासी वार्ड नंबर 2 अंबेडकर नगर, नगर पंचायत कोरांव अपने साथी अजीत पुत्र संतोष कुमार सिंह शिक्षक निवासी कपासी कला थाना कोरांव के साथ सैम्हा गांव के किसी युवक को उसके घर छोड़ने गए हुए थे। छोड़कर वापस लौटते समय सैम्हा गांव में ही ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत हो जाने से ट्राली के पहिए से कुचलकर बाइक पर बैठे अर्जुन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक चालक अजीत बुरी तरह से घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने शव लेकर थाने पहुंच गये। जहां कार्रवाई की मांग को लेकर के काफी देर तक पुलिस व परिजनों के बीच हुई बहस में आरोपी ट्रैक्टर चालक व ट्रैक्टर ट्राली को थाने लाने की जिद पर अड़े रहे। थाना प्रभारी कोरांव रमेश चौबे ने परिजनों को यथोचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि निश्चित तौर पर आरोपी ट्रैक्टर चालक और ट्रैक्टर को थाने लाया जाएगा। मौजूदा समय में ट्रैक्टर ट्राली लेकर चालक फरार हो गया है। परिजनों ने जिस ट्रैक्टर से घटना हुई उसी ट्रेक्टर ट्राली एवं उसी चालक की गिरफ्तारी करने की मांग पर भी अड़े रहे। जिस पर थाना प्रभारी ने नामजद तहरीर के आधार पर चालक व ट्रैक्टर ट्राली की गिरफ्तारी करने का आश्वासन दिया। समाचार लिखे जाने तक परिजन थाने पर ही मौजूद रहे। तहरीर लेकर पंचनामा एवं विधिक कार्रवाई में पुलिस जुटी रही। मृतक अर्जुन दो भाइयों में छोटा था जो क्षेत्र के सरदार पटेल इंटर कॉलेज चौराहों में कक्षा दसवीं का छात्र था। इस वीभत्स हादसे से माता-पिता व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल रहा।

सैम्हा गांव में हुआ भीषण हादसा, एक की हालत नाजुक, कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोशित परिजनों ने शव लेकर थाने का किया घेराव

मृतक फाइल फोटो

निलंबित,धोखाधड़ी के केस में फंसे लेखपाल का नहीं छीना चार्ज

कोरांव। राजस्व विभाग में भी गजब के मामले देखने को मिलते आ रहे। तहसील कोरांव के ग्राम देवघाट का लेखपाल महीनों से जिंदा महिला को मुर्दा दिखा कर अपने रिश्तेदार बिरादरी के भू माफिया के नाम जमीन ट्रांसफर कराने के आरोप में जिला प्रशासन के निर्देश पर निलंबित है। साथ ही 29 नवंबर को उक्त लेखपाल राज बहादुर सिंह पटेल,तत्कालीन कानून गो राम आसरे,भू माफिया सुखलाल पटेल अल्हवा फ्रॉड कार्य की मध्यस्थता करने वाले पवन कुमार पाल के विरुद्ध धोखाधड़ी जैसे गंभीर मुकदमे दर्ज हुए हैं। इसके बावजूद तहसील के अधिकारी उक्त लेखपाल पर मेहरबान हैं। और उससे बस्ता न छीन कर किसी दूसरे लेखपाल को चार्ज नहीं दिला रहे हैं जिससे किसानों का कार्य प्रभावित है। इस बाबत लोगों ने प्रमुख सचिव राजस्व लखनऊ और जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की गई है। साथ ही पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही न किए जाने पर प्रश्न चिन्ह भी खड़ा किया है। देखना है अब एस डी एम क्या कदम उठाते हैं। या आचार संम्हिता लागू होने का इंतजार कर रहे हैं। एस डी एम कोरांव ने बताया लेखपाल तो निलंबित ही है। किंतु जब यह पूंछा गया कि फिर भी वह देवघाट गांव सभा का कार्य देखता है, तो खामोश रह गए।

न्यूज झरोखा

अमृत महोत्सव : तिरंगा यात्रा का गौहनिया में भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ समापन

जसरा। अमृत महोत्सव के अवसर पर गांव गांव से निकलने वाली तिरंगा यात्रा का आज गौहनिया चौराहे पर भव्य कार्यक्रम के साथ समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन में हजारों बच्चों के हाथ में लहराता तिरंगा पूरे वातावरण को देशभक्ति का संदेश दे रहा था। सरकार द्वारा स्वतंत्रता के 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया गया था। कार्यक्रम के तहत गांव गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गयी थी। जिसमें गांव के नौजवानों के साथ महिलाओं और बच्चों ने भी जम करके भागीदारी निभाई थी। एक पखवाड़े तक चले इस कार्यक्रम का आज गौहनिया चौराहे पर एक समारोह करके समापन किया गया। जिसमें पूरे बारा क्षेत्र से निकली तिरंगा यात्रा की टीम गौहनिया चौराहे पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ पहुंची। इस दौरान सरस्वती शिशु मंदिर के सैकड़ों बच्चे हाथ में राष्ट्रीय ध्वज ले करके तिरंगा यात्रियों का स्वागत कर रहे थे । पूरा वातावरण भारत माता की जय तथा वंदे मातरम की आवाज से गूंज रहा था। समारोह की अध्यक्षता ओंकार नाथ सिंह तथा संचालन अविनाश त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संदीप सिंह , मानधर, वीरेंद्र जी, शिव प्रसाद केसरवानी , रमेश पांडे , मयंक सहित कई दर्जन विशिष्ट जन भी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति पर साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नैनी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद के तत्वधान में शुक्रवार को समय 12:00 बजे से हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातक महाविद्यालय में मिशन शक्ति पर साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती प्रज्ञा सिंह द्वितीय, श्रीमती सुनंदा चतुवेर्दी प्रिंसिपल, श्री सुरेश चंद्र मिश्रा प्रोफेसर, श्रीमती अर्चना राय प्रोफेसर, पूनम शुक्ला प्रोफेसर, श्री सूरज पटेल प्रोसेसर, श्रीमती नीतू सिंह प्रोफेसर उपस्थित रहे तथा अभी छात्रों को नारी सशक्तिकरण के विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। यह जानकारी श्रीमती प्रज्ञा सिंह द्वितीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई है।

गंगा गुरुकुलम में सम्मानित किए गए शिक्षक

प्रयागराज। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने और नई पीढ़ी का उच्च मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। गंगा गुरुकुलम फाफामऊ में आयोजित कार्यक्रम में सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह, सर्टिफिकेट प्रदान किया। शिक्षकों के सम्मान समारोह में प्रयाग उदय समूह की अध्यक्षा सुष्मिता कानूनगो ने सभी का स्वागत किया। जबकि इंद्राणी गुप्ता ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। सुष्मिता कानूनगो ने कहा कि शिक्षक हमारे समाज के अगुवा होते हैं। इनका सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है। कार्यक्रम में बेथनी कान्वेंट विद्यालय के सहयोगियों ने नृत्य एवं न्याय नगर पब्लिक स्कूल ने नारी सशक्तीकरण पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में एसएमसी स्कूल के अनुराग पांडेय, सेंट जोसेफ स्कूल शंकरगढ़ से प्रियंका मांझी, एमएल कांवेंट करेलाबाग से अनूप कुमार, इलाहाबाद पब्लिक स्कूल से अनुपम, अभिषेक कुमार मिश्र, अखिलेश कुमार मौर्य, अनीता मसीह, रंजना त्रिपाठी, अपूर्व गुप्ता, आशीष वर्मा, अतुल कुमार मिश्र, दीप्ति शर्मा, गौरव श्रीवास्तव, कुलदीप सिंह, मयंक त्रिपाठी, मोहम्मद अकील, मृगनैनी, नागेंद्र कुमार मौर्य, प्रीति मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, प्रेरणा श्रीवास्तव आदि को सम्मानित किया गया।

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला,कौशल्या हितकारी हरषित महतारी, मुनि मन हारी,अद्भुत रूप बिचारी

जंघई। चंद्रमौलेश्वर धाम चनेथू प्रांगण में आयोजित सार्वजनिक मानस ज्ञान महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के चौथे दिन शुक्रवार को भगवान राम के चरित्र का वर्णन करते हुए श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया।कथा में उक्त प्रसंग का वर्णन कथा वाचक धनेश्वर महाराज ने सुनाया श्रीराम कथा में श्री राम प्रकटोत्सव मनाया गया। उन्होंने मनु प्रसंग और प्रताप भानु प्रसंग की जानकारी भी भक्तों को दी। इसके उपरांत उन्होंने भगवान राम के जन्म से जुड़ी कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से महाराज दशरथ के यहां महारानी कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा को पुत्र योग का संयोग बना भगवान राम के जन्म के बाद अयोध्या में हर तरफ खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर कथा के संरक्षक नारायण स्वामी, यज्ञाचार्य धरणीधर शुक्ल, मनमोहन पांडेय आचार्य, सत्यम आचार्य, महंत बालक गिरी, यजमान रमेश कुमार तिवारी, चंद्रशेखर पांडेय, हृदय नारायण मिश्रा, सूर्यमणि शुक्ल, लल्लन प्रसाद पांडेय, शिवशंकर दुबे बबलू, रमेश मिश्रा, आशीष शुक्ल, हरिशंकर पटेल, विद्याधर दुबे, इंद्रजीत उपाध्याय गुड्डू, अशोक द्विवेदी, संजय उपाध्याय, राकेश दुबे दादे, अभिनव पांडेय कल्लू, सुरेश मिश्रा, सुशील उपाध्याय, शास्त्री उपाध्याय, बब्बन यादव, विनय यादव, अभिषेक तिवारी राजा, समाजसेवी बाबा तिवारी आदि लोग कथा में सहयोगी हैं।

सकलडीहा के विधायक की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए ने चंदौली जनपद के सकलडीहा के विधायक प्रभु नारायण सिंह की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि प्रकरण में कोई भी आरोप पत्र दाखिल नहीं है और ना ही प्रकरण की पत्रावली विचाराधीन है। इस स्तर पर इस न्यायालय को अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं है। यह आदेश स्पेशल कोर्ट के जज डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ला ने एडीजीसी सुशील कुमार वैश्य और बचाव पक्ष के अधिवक्ता को सुन कर दिया है। प्रकरण चंदौली जनपद के बुलवा थाने का है। वादी उपनिरीक्षक शिव शंकर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पांच दिसंबर 2021 को वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर कानून व्यवस्था की ड्यूटी में था। अचानक विधायक सकलडीहा अपने समर्थकों और सपा नेता संतोष यादव के साथ बड़ी संख्या में आए और सरकार विरोधी नारा लगाने लगे। समझाने पर नहीं माने और पुलिस बल के साथ हाथापाई करने लगे और सरकारी कार्य में अवरोध उत्पन्न किया। जिसके बाबत विधायक सहित अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। विधायक की ओर से स्पेशल कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी प्रस्तुत की गई। कोर्ट ने अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई की और अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए कहा कि इस न्यायालय में उन्हीं पत्रावली पर विचार किया जाता है जो विचाराधीन है। अभी इस प्रकरण में आरोप पत्र दाखिल नहीं है और ना ही संज्ञान लिया गया है। लिहाजा इस कोर्ट को अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र की ुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं है।

चुनाव कार्यों में सहयोग को लगाई 11 शिक्षकों की ड्यूटी

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव के कार्यों में सहयोग के लिए 11 परिषदीय शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने इन शिक्षकों को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार के ऊपरी तल पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट कान्ट्रेक्ट सेंटर में रिपोर्ट करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक आरएन विश्वकर्मा के निदेर्शानुसार सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। जिन शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है उनमें प्राथमिक विद्यालय चन्द्रा लोनियान शंकरगढ़ के नारायन सिंह, उच्च प्राथमिक विद्यालय किहनीखुर्द के कुलदीप द्विवेदी, संविलियन विद्यालय पूरे फौजशाह बहरिया की नीलम यादव, प्राथमिक विद्यालय महुली-2 कोरांव के दीपक कुमार स्वर्णकार, प्राथमिक विद्यालय गाढ़ा कटरा कोरांव के प्रमोद कुमार द्विवेदी, प्राथमिक विद्यालय तुलापुर होलागढ़ के शशांक मिश्रा, प्राथमिक विद्यालय नौढ़िया तरहार शंकरगढ़ के अविनाश मिश्र, प्राथमिक विद्यालय हरदिहा कोरांव के स्वांतरंजन त्रिपाठी, उच्च प्राथमिक विद्यालय लोहंदी करछना के राम नमो कटियार, उच्च प्राथमिक विद्यालय तंदरिया उरुवा के नवीन कुमार और प्राथमिक विद्यालय कोटवा बहादुरपुर की क्षमा सौम्या का नाम शामिल है।

कुंभ की तरह माघ मेले के लिए रेलवे ने तैयार किया एप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कुंभ मेले की तर्ज पर रेलवे द्वारा माघ मेले के लिए भी एप तैयार किया जा रहा है। इस एप के माध्यम से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रयागराज से जुड़ी तमाम जानकारियां उपलब्ध हो जाएंगी। इसमें ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के साथ रूट मैप आदि की भी जानकारी श्रद्धालुओं को मिलेगी। माघ मेला शुरू होने के पूर्व उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा यह एप लांच कर दिया जाएगा। प्रयागराज में लगे कुंभ के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने एप लांच किया था। तब उस एप की रेलवे बोर्ड स्तर तक से सराहना हुई थी। उसी तर्ज पर रेलवे ने संगम तीरे लगने वाले माघ मेला के लिए भी एप बनाने की तैयारी की है।इस एप में प्रयागराज से जुड़ी सभी प्रमुख जानकारियां उपलब्ध रहेंगी। इसमें प्रयागराज जंक्शन एवं अन्य स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाएं, ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान की जानकारी, स्टेशन पर मौजूद टिकट काउंटर, मेला स्पेशल ट्रेन, मैप, आरपीएफ, मेला क्षेत्र में मौजूद रेलवे कैंप में उपलब्ध सुविधाएं, प्रयागराज के दर्शनीय स्थल आदि की जानकारी यात्री एप के माध्यम से ले सकेंगे। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि मेला शुरू होने से पूर्व यह एप लांच कर दिया जाएगा। इसमें रेलवे स्टेशन पर यात्री आश्रय स्थल, खोया पाया केंद्र आदि की भी जानकारी रहेगी। यह एप प्रयागराज मंडल के वाणिज्य विभाग की ओर से तैयार किया जा रहा है। बता दें कि कुंभ मेले के दौरान एनसीआर मुख्यालय में डीजीएम रहे अंशु पांडेय ने पहली बार इस तरह का एप तैयार करवाया था। अब उसी तर्ज पर माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एप तैयार हो रहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत डीहा वि. ख. करछना, प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत डीहा विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यों के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 28–10–2021 से दिनांक 05–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत डीहा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 12–11–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 12–11–2021 कार्यालय अवधि में समय 3. 30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	अनिल निषाद के घर से सुरेश निषाद के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	2.5 लाख	2 माह
2.	लल्लू निषाद के घर से हिच्छलाल निषाद के घर तक इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य तक	3.56 लाख	2 माह

पत्रांकः मेमो/ग्रा. प. वि. अ./ टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

प्रेम चन्द्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

हरिओम चौधरी
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत डीहा वि. ख. करछना, प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत डीहा विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यों के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 25–11–2021 से दिनांक 30–11–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत डीहा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 10–12–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 10–12–2021 कार्यालय अवधि में समय 3. 30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	जगदीश यादव के घर से रामचन्द्र के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	2.49 लाख	3 माह
2.	सनोज के घर से हरिश्चन्द्र के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	2.49 लाख	2 माह
3.	धुन्नू के घर से पंडित के पुराने घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	2.145 लाख	2 माह

पत्रांकः मेमो/ग्रा. प. वि. अ./ टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

प्रेम चन्द्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

हरिओम चौधरी
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत डीहा वि. ख. करछना, प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत डीहा विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यों के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 30–11–2021 से दिनांक 08–12–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत डीहा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 15–12–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 15–12–2021 कार्यालय अवधि में समय 3. 30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	पप्पू तिवारी के घर से बरमदीन पाण्डेय के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	3.38 लाख	3 माह
2.	सत्य प्रकाश के घर श्यामलो के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	2.22 लाख	2 माह
3.	चन्द्रमा शुक्ल के घर से प्यारे निषाद के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	3.38 लाख	2 माह

पत्रांकः मेमो/ग्रा. प. वि. अ./ टेण्डर/कोटेशन/2020–21/ दिनांक

प्रेम चन्द्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

हरिओम चौधरी
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत डीहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज।

बैंकों की दो दिन की हड़ताल में जिले में दो सौ करोड़ का लेन-देन प्रभावित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन के आहवान पर दूसरे दिन भी जिले के प्रमुख बैंकों में हड़ताल रही। हड़ताली बैंक कर्मी पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा के सामने प्रदर्शन करने के बाद स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा के सामने प्रदर्शन व सभा किया।

बता दें कि दो दिनों से प्रमुख बैंकों की हड़ताल से जिले में दो सौ करोड़ रुपये का लेन-देन नहीं हो पाया है। ग्राहक परेशान दिखाई दिये। सभा को सम्बोधित करते हुए यूनाइटेड फोरम प्रतापगढ़ के संयोजक नारेन्द्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण करने के लिये देश की अर्थव्यवस्था के लिये घातक है। सरकार द्वारा संसद सत्र में लाये जाने वाले बैंकिंग ला अमेंडेंड का भी उन्होंने पुरजोर विरोध किया। सभा की अध्यक्षता यूपीबीईयू के अध्यक्ष सच्चिदानंद पाण्डेय ने किया। सभा को आशीष कुमार सिंह बैंक आफ बड़ौदा, शिवाकान्त शुक्ला एसबीआई, प्रेरणा शुक्ला केनरा बैंक, नीलेश दुबे बीओबी, देवेन्द्र कुमार मौर्य पीएनबी, प्रेम प्रकाश मौर्य केनरा बैंक, अमर सोनी बैंक आफ इण्डिया, एसबी सिंह बीओबी, रोहित मिश्रा बीओबी ने सम्बोधित किया। सभी वक्ताओं ने प्रमुखता से निजीकरण से राष्ट्र को होने वाली क्षति पर विरोध जताया। सभा में हरिकेश कुमार, गोविन्दा, संजय कुमार सरोज, भूपेन्द्र सिंह, रामदेव अनिल, अशोक कुमार, हिमांशु तिवारी, दीपाली श्रीवास्तव, गौरव सिंह, शिवेश मिश्रा, गया प्रसाद कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

बैंकों के निजीकरण की नीति अर्थव्यवस्था के लिये घातकः एनपी मिश्रा

स्टेट बैंक के सामने नारेबाजी करते बैंक कर्मचारी

कचहरी के आसपास चला अतिक्रमण विरोधी अभियान

प्रतापगढ़। जिला कचहरी के आसपास नगर पालिका ने आज अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। सड़क के किनारे लगी गुमटियों को हटाने का निर्देश देते हुए कहा कि एक दिन के अंदर अतिक्रमण हटा लें अन्यथा जुमार्ना भरना पडेगा। वैसे नगर पालिका कर्मी दो छोटी गुमटियों को ट्रैक्टर पर लादकर नगर पालिका परिसर में उठा ले गये। शुक्रवार को अपरान्ह लगभग एक बजे ट्रैक्टर, जेसीबी व 20 रोड गैंग के कर्मचारी लेकर नगर पालिका के आरआई लाल बहादुर सिंह, राजेश बिंद, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, मिथिलेश सिंह, साहब लाल, कपिल देव, संदीप शुक्ला, सुरजीत सिंह आदि कचहरी के आसपास अतिक्रमण हटाने निकले तो अफरा-तफरी मच गई। दो घंटे तक चले अतिक्रमण विरोधी अभियान में अतिक्रमण करने वालों को चिन्हित करने के बाद एक दिन का समय दिया गया है।

स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका रही महत्वपूणः रमेश

अमृत महोत्सव के उद्देश्यों पर किया संवाद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने अमृत महोत्सव के आयोजन के क्रम में कहा कि देश के स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पत्रकारों की लेखनी ने राष्ट्रभाव का जागरण करने के साथ-साथ आंदोलन को दिशा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था।

उन्होंने कहा कि पत्रकार की लेखनी में समाज की दिशा और दशा बदलने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता तो प्राप्त हो गई किंतु स्वतंत्रता नहीं प्राप्त हुई। इंडिया को भारत बनाना ही स्वतंत्रता है, आज देश में भगवान राम का भव्य मंदिर बन रहा है, यह स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि 19 दिसंबर को दिन में साढे. नौ बजे से राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें हजारों स्वरों से वंदे मातरम की गूंज उठेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर का उद्बोधन होगाद्य इस अवसर पर रमेश त्रिपाठी, प्रतोष कुमार, डॉक्टर सौरभ पांडेय, डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा और प्रभाशंकर पांडेय उपस्थित रहे।

पत्रकारवार्ता में बोलते प्रांत प्रचारक रमेश

सरस्वती शिशु मंदिर में निकली तिरंगा यात्रा

प्रतापगढ़। सरस्वती शिशु मंदिर चिलबिला में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रतापगढ़ विभाग के विभाग संघचालक रमेश त्रिपाठी ने भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित किया। इस दौरान मंत्री संजीव आहूजा, प्रबंध समिति के सह व्यवस्थापक मुरालीलाल ने पूजन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिग्विजय नाथ ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान गौरवशाही इतिहास का बखान किया गया। इस मौके पर सृष्टि पाण्डेय, ज्योति यादव आदि लोग मौजूद रहे।

एलएचबी का शुभारंभ सज संवर कर चली पद्मावत एक्सप्रेस

प्रतापगढ़ में कैरिज एंड वैगन स्टाफ की तरफ से कराई गई सजावट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एलएचबी कोच के साथ प्रतापगढ़ से दिल्ली जाने वाली पद्मावत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ शुक्रवार को एसएस एसके यादव के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने इंजन पर फूल माला और लड्डू चढ़ाया। इसको फूलों और गुब्बारे से सजाया गया। शाम को सज संवर कर दिल्ली के लिए चल पड़ी। इसमें कैरिज एंड वैगन स्टाफ को काफी मेहनत करनी पड़ी। पद्मावत एक्सप्रेस से पुराने डिजाइन वाले आईसीएफ कोच को हटाकर उनके स्थान पर हाई टेक एलएचबी कोच लगा दिये गये। इनसे दुर्घटना की संभावना कम होती है। ट्रैक से जल्दी छिटकते नहीं है। 15 दिसंबर को अयोध्या कैंट से दिल्ली एलएचबी कोच लगाकर शुभारंभ किया गया। 17 दिसंबर को दिल्ली से प्रतापगढ़ रैक सुबह पहुंचा। उसके बाद दिल्ली भेजने की तैयारी यहां के सीएंडडब्ल्यू स्टाफ ने शुरू कर दी। सीडीओ वीबी शुक्ला की देखरेख में ट्रेन को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया। शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो गई। वीबी शुक्ला ने बताया कि 17 दिसंबर को पद्मावत नये एलएचबी कोच के साथ चलाई गई। हालांकि एकाध कोच पुराने लगें थे। इसकी चर्चा हो रही थी। एसएस एसके यादव ने बताया कि सभी कोच एलएचबी थे। शुभारंभ के मौके पर इंस्पेक्टर आरपीएफ चन्द्र प्रकाश मिश्रा, गार्ड डीके शर्मा, मोहम्मद अनीश, एसके यादव, संजय यादव और कैरिज एंड वैगन के जेई और स्टाफ मौजूद रहे।

एसएस ने इंजन पर चढ़ाया फूल माला और लड्डू

खेलों से विद्यार्थियों में होता है शारीरिक गुणों का विकासः प्राचार्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बृजभानु सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाकर उत्साहवर्धन करते हुए प्राचार्य श्री सिंह ने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में शारीरिक,नैतिक एवं चारित्रिक गुणों का विकास होता है।

दो दिवसीय क्रीड़ा के गोला फेंक प्रतियोगिता के महिला वर्ग में आकांक्षा सिंह तथा पुरुष वर्ग में शमसुद्दीन अव्वल रहे।डिस्कस थ्रो के महिला वर्ग में स्वरूपा वर्मा तथा पुरुष वर्ग में मान सिंह अब्बल रहे। लम्बी कूद महिला वर्ग में शिवानी शाहू तथा पुरुष वर्ग में आदित्य यादव प्रथम स्थान पर रहे। ऊंची कूद महिला वर्ग में दीक्षा सिंह तथा पुरुष वर्ग में अर्पित सिंह प्रथम स्थान पर रहे।कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. उपेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ.कृष्ण कुमार सिंह, डॉ.श्रद्धा श्रीवास्तव, डॉ.वर्षा जायसवाल, डॉ.निहारिका श्रीवास्तव, डॉ.भावना सिंह,डॉ.रेनू सिंह,डॉ.शिव प्रताप सिंह, डॉ.राकेश कुमार सिंह, डॉ.नीरज त्रिपाठी, डॉ. चेत प्रकाश पाण्डेय, डॉ.अखिलेश मोदनवाल डॉ.नीरज त्रिपाठी, डॉ.जितेंद्र कुमार सैनी, डॉ.देवेश कुमार सिंह, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ.भूपाल सिंह, डॉ.अजय कुमार सिंह,डॉ.दिनेश कुमार सिंह, डॉ.शिव कुमार सिंह श्री रमेश बहादुर मौर्य, नन्हे लाल मौर्य, विनोद कुमार मौर्य, कृष्ण चंद, मो.महताब, रतिपाल आदि उपस्थित रहे।

पीबीपीजी कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

पीबीपीजी कालेज में आयोजित प्रतियोगिता में बोलते प्राचार्य डा0 बृजभानु सिंह

डिग्री कालेज कालाकांकर के शिक्षकों ने फुफ्कटा के आवाह्न पर धरना दिया

परियावां, प्रतापगढ़। मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज कालाकांकर के शिक्षकों ने पांच इंक्रीमेंट के देय एवं प्रोफेसर पदनाम को लेकर फुफ्कटा के आवाह्न पर कालेज परिसर में शांति ढंग से धरना का आयोजन किया। धरना में डॉ इंदुरेखा सिंह, डॉ सूर्यभान सिंह, डॉ रामकरन यादव, डॉ शिव भूषण गुप्ता, डॉ भूपेश सिंह, डॉ हवलदार सिंह, सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

गुणवत्तापरक शिक्षा से पीढ़ी मे हुआ करता है राष्ट्रीयता का बोधः प्रमोद तिवारी

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुंशी रजा के निधन पर शोक जताने पहुंचे प्रमोद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुंशी रजा के निधन पर शुक्रवार को पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी कांग्रेसजनों के साथ नगर स्थित उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों से मिले और ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि मुंशी रजा कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। उनके निधन से कांग्रेस को क्षति हुई है।

इस शोक की घड़ी में हम सब कांग्रेसजन परिजनों के साथ हैं। प्रमोद तिवारी लगभग दस मिनट तक उनके आवास पर रहे। उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पं0 श्याम किशोर शुक्ल, जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी, नीरज त्रिपाठी, प्रशांत शुक्ल, महेन्द्र शुक्ल, कपिल द्विवेदी, इरफान अली आदि नेता मौजूद रहे। उधर राहाटीकर स्थित ठा. बलभद्र सिंह इण्टर कालेज का शुक्रवार को सोलहवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। विद्यालय की छात्राएं खुशी, रूची, सना, आरती ने स्वागत गान की प्रस्तुतियां देकर वार्षिकोत्सव की समां बांधी। बतौर मुख्यअतिथि प्रमोद तिवारी ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता ही मौजूदा पीढ़ी को मजबूत राष्ट्रीयता का बोध करा सकती है। इस मौके पर जिपंस लल्लन सिंह, अरविंद सिंह, रिंकू सिंह परिहार, जयसिंह गहलौत, लाल कृष्ण प्रताप सिंह, शाह आलम, भगवती प्रसाद तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

मुंशी रजा के आवास पर परिजनों को ढांढस बंधाते प्रमोद तिवारी

दुर्घटना में महिला की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक से बेटे के साथ घर जा रही महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। जेठवारा थाने के पतुलकी निवासी शिवदर्शन यादव की पत्नी शकुंतला 42 शुक्रवार को स्थानीय नगर स्थित सीएचसी मे दवा कराने आयी थी। करीब साढे ग्यारह बजे वह अपने बेटे मोनू 14 के साथ बाइक से घर वापस लौट रही थी। नेशनल हाइवे लखनऊ-वाराणसी के प्रतापगढ़ रोड पर पुराने पेट्रोल पम्प के साथ एक ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना मे शकुंतला को गंभीर चोटें आ गयी। जबकि उसके बेटे मोनू को आंशिक चोटें आयी। आननफानन मे घायल शकुंतला को स्थानीय ट्रामा सेंटर इलाज के लिए लाया गया। यहां चिकित्सकों ने शकुंतला को मृत घोषित कर दिया। शकुंतला का छोटा बेटा गोलू दस वर्ष का है जबकि उसका पति शिवदर्शन दिल्ली मे परिवार के भरणपोषण के लिए रहता है। शकुंतला का मायका स्थानीय कोतवाली के धधुआ गाजन गांव है। शकुंतला की मौत से परिजनों मे कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया।

नारेबाजी करते एमडीपीजी कालेज के शिक्षकगण

मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर डिग्री कालेज के शिक्षकों ने दिया धरना

तीन जनवरी को विधान सभा घेराव करने की चेतावनी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के आवाहन पर जिले के डिग्री कॉलेज के शिक्षकों ने अपनी विभिन्न लंबित माँगो के समर्थन में आंदोलन के प्रथम चरण में काली पट्टी बांधकर कार्य किया एवं अध्यापन के पश्चात धरना दिया। इसके साथ अपनी माँगो के समर्थन में मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रेषित किया।

शुक्रवार को एमडीपीजी कॉलेज प्रतापगढ़ के शिक्षकों ने भी बाँह पर काली पट्टी बांधकर कार्य किया और धरना दिया। धरने को संबोधित करते हुए प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉक्टर पी के सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की हठ धर्मिता के कारण शिक्षकों को आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश सरकार की हठ धर्मिता कायम रहती है तो आगामी 3 जनवरी को विधानसभा का घेराव किया जाएगा। इकाई शिक्षक संघ के महामंत्री डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन नए साथियों को पाँच इंक्रीमेंट आदि माँगों के समर्थन में हमारा यह आंदोलन का अनवरत चलता रहेगा। पूर्व फुपुकटा प्रतिनिधि डॉक्टर संतोष पाण्डेय ने कहा कि सरकार ने शिक्षकों के साथ वादाखिलाफी किया है। यदि हमारी मार्गों को सरकार नहीं माँगती तो आगामी चुनाव में सरकार का व्यापक विरोध किया जाएगा। धरने को डॉक्टर राजवंत सिंह, डॉक्टर रमेश चंद्र शुक्ला ,डॉक्टर रणजीत पटेल, डॉक्टर प्रथमेश पाण्डेय, डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, डॉक्टर अरुण कुमार वर्मा आदि शिक्षकों ने संबोधित किया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जख्मी, रेफर

लालगंज, प्रतापगढ़। ट्रक की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कोतवाली के बलीपुर निवासी अमित सरोज 25 पुत्र राजकुमार शुक्रवार को करीब पौने बारह बजे गांव के अपने साथी पंकज 21 पुत्र श्यामलाल वर्मा के साथ बाइक से अमावां जा रहा था। तभी सांगीपुर की तरफ से आ रही एक तीव्र गति की ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दिया। अमावां चैराहे के समीप हुई दुर्घटना से अफरातफरी का माहौल बन गया। आननफानन मे अमित तथा पंकज को इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेंटर लाया गया।

पोस्टकार्ड लेखन प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। क्षेत्र के उड़ैयाडीह बाजार स्थित रानी सूर्य किशोरी देवी इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को आजादी के 75 वे वर्ष आयोजित अमृत महोत्सव के अवसर पर छात्र छात्राओं के बीच पोस्टकार्ड लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचारों को प्रधानमंत्री को पोस्ट कार्ड के जरिए अपनी बात लिखी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ के निर्देष पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें 20 दिसंबर तक सभी विद्यालयों में पोस्टकार्ड लेखन का आयोजन किया जा रहा है। रानी सूर्यकिषोरी देवी इंटरमीडिएट कालेज के प्रधानाचार्य जयप्रकाष ने बताया कि पोस्टकार्ड पत्र लेखन में कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक के कुल 575 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और लेखन में अपने भाव और विचार प्रकट किया इसमें से लिखे हुए पोस्ट कांटों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भेजा जाएगा 10 बेहतरीन पोस्ट कार्ड पोर्टल पर अपलोड भी किए जाएंगे।

गरीबों को ठंड में राहत देगा तहसील प्रषासन बटेगा कंबल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। सर्दी बढ़ने के साथ ठंड में ठिठुर रहे लोगों की तलाश में प्रशासन की जिम्मेदार अधिकारी रात्रि में भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान मिलने वाले बेसहारा लोगों को तहसील प्रशासन कंबल वितरित करेगा। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा इस बार की जा रही अनूठी पहल पर तहसील के प्रशासनिक अधिकारी कार्य करेंगे। इसके अलावा पट्टी तहसील क्षेत्र के गरीब और निराश्रित लोगों को भी ठंड से बचाव के लिए कंबल प्रदान किए जाएंगे।

टाइनी शाखा संचालकों के साथ क्षेत्राधिकारी ने की बैठक

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली परिसर में टाइनी शाखा संचालकों के साथ हो रहे लगातार अपराध को रोकने के लिए क्षेत्राधिकारी पट्टी दिलीप कुमार ने शुक्रवार को लगभग 50 टाइनी शाखा संचालकों के साथ बैठक किया और उनकी सुरक्षा के संबंध में उन्हें अवगत कराया गया और सभी बिंदुओं पर सुरक्षा के संबंध में चर्चा की गई)ंचालकों के साथ यह बैठक की गई।

खेलकूद प्रतियोगिता मे दिव्यांग बच्चों अभिज्ञान, अजय रहे अव्वल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। समेकित शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत शुक्रवार को लालगंज क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय केशवपुर के परिसर मे दिव्यांग बच्चों की तहसील स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता मे विकासखण्ड लालगंज, सांगीपुर एवं रामपुर-संग्रामगढ़ तथा लक्ष्मणपुर परिषदीय स्कूलों से आये छः से चैदह वर्ष तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता मे आयोजित कुर्सी दौड़ मे लक्ष्मणपुर ब्लाक के अभिज्ञान प्रथम, रामपुर संग्रामगढ़ की संजना द्वितीय एवं लालगंज की अन्तिमा तृतीय स्थान पर रहीं। वही जलेबी दौड़, सौ मीटर लम्बी दौड़ मे अजय प्रथम, विकास द्वितीय एवं शशांक धुरिया एंव त्रियांशु तृतीय स्थान पर रहे। खण्ड शिक्षा अधिकारी रिजवान अहमद ने विजेता खिलाड़ियो को पुरस्कृत किया। बतौर मुख्यअतिथि शिक्षक सुभाष पाण्डेय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुंदरलाल ने किया एवं शिक्षिका नीलम पाण्डेय विशिष्ट अतिथि रहीं। खेलकूद प्रतियोगिता का संचालन गिरिजानंद ने किया। इस मौके पर विशेष शिक्षक श्रवण कुमार व संतलाल, प्रीती सिंह, अशोक यादव, सुरेश, मनीष पाठक, सतीश पाठक, संजीव द्विवेदी, रेखा मिश्र, घनश्याम, मनीष, दीपक पाण्डेय, सुशील सरोज आदि शिक्षक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

कौशाम्बी। जिले में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाये रखने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परिसर में परेड की सलामी ली गयी व परेड का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए गए साथ ही पुलिस लाइन परिसर में महिला पुलिस कर्मियों को शस्त्र अभ्यास कराया गया परेड़ के उपरान्त क्वार्टर गार्ड स्थित गार्द की सलामी ली गयी।

थानाध्यक्ष करारी ने नगर में किया पैदल गस्त

करारी कौशाम्बी। थानाध्यक्ष करारी प्रिंस दिक्षित ने अपने हमरहियो के साथ करारी नगर में पैदल गस्त की और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा दिलाया गस्त के दौरान कांस्टेबल पवन जायसवाल ,सुनील यादव, अरविंद यादव राजकुमार यादव, सर्वेश कुमार ,जितेंद्र कुमार भूपेंद्र कुमार ,मौजूद रहे।

मरीजो से पैसा लेने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ की जाए कार्यवाही : डीएम

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सको को निर्देशित करते जिलाधिकारी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में सम्राट उद्यन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को निर्देश दिये कि किसी भी मरीज से पैसे लेने की शिकायत न आने पाये तथा अगर कोई स्टाफ पैसे लेता है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय अन्यथा सम्बन्धित एमओआईसी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ उन्होंने कहा कि ठीक प्रकार से कार्य न करने वाली आशाओं की सूची उपलब्ध करा दिया जाए जिससे उनके विरूद्ध कार्यवाही की जा सकें उन्होंने संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान देने तथा आशाओं का भुगतान समय से करने के निर्देश दिये जिलाधिकारी ने ब्लाकवार क्रियाशील प्रसव केन्द्रों की समीक्षा के दौरान कहा कि और प्रसव केन्द्र बनाये जाने के कार्य में तेजी लायी जाय उन्होंने नियमित टीकाकरण एवं कोविड-19 टीकारण में प्रगति लाने तथा ब्लाकवार कैम्प का आयोजन कर दिव्यांग बच्चों का प्रमाण पत्र बनाये जाने के निर्देश दिये उन्होंने फागिंग की कार्यवाही नियमित किये जाने तथा पोषण पुनर्वास केन्द्र में अपेक्षित बच्चों को और अधिक लाये जाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जा सकें। उन्होंने गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शशिकान्त त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी केसीराय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्राट उद्यन सभागार में भूतपूर्व सैनिकों एंव उनके आश्रितों की समस्याओं के सम्बन्ध में सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित की गयी बैठक में अपर जिलाधिकारी के समक्ष चार शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से दो शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष शिकायतों का सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन नजमुल हुदा ने कहा कि जनपद के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों हेतु जनपद में एक अस्पताल में चिकित्सा हेतु ईसीएचएस की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु उनके द्वारा मिलेट्री अस्पताल को पत्र भेजा गया है। जल्द ही भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को इसका लाभ मिलेगा इस अवसर पर रियाज अहमद श्रीधर मिश्रा व भूतपूर्व सैनिक समिति के सदस्य सुबेदार शारदा प्रसाद बर्मा हवलदार अगेरज सिंह आदि भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक प्रधान के माता-पिता भाई भाभी मनरेगा में मजदूरी करने को विवश

लग्जरी वाहनों में घूम कर अधिकारियों के सामने रौब गांठता देखा जाता है बेटा ग्राम प्रधान

कौशांबी। मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के एक ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बाद उनके माता-पिता भाई भाभी परिजन मनरेगा में मजदूरी कर परिवार का जीविकोपार्जन करते हैं प्रधान बेटा लग्जरी वाहनों में घूमकर अधिकारियों के सामने बड़ी-बड़ी लच्छेदार बातें कर दावेदारी ठोकता है इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या को अपना रिश्तेदार बताकर अधिकारियों पर धौंस जमाता है इससे अधिकारी ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार के कारनामों को संज्ञान लेने से कतराते हैं बताया जाता है कि मंझनपुर विकासखंड के उक्त ग्राम प्रधान के कार्यकाल में लाखों का घोटाला हुआ है। ग्राम पंचायत के रहने वाले सरकारी नौकरी करने वालों को स्वच्छता अभियान के तहत शौचालय की रकम दे दी गई है जिन लाभार्थियों को पूर्व प्रधान के कार्यकाल में शौचालय की रकम दी गई थी उनके नाम फर्जी शौचालय वितरण की रिपोर्ट लगाकर फिर सरकारी खजाने से शौचालय निर्माण की रकम निकाली जा चुकी है इतना ही नहीं ग्राम पंचायत में बढ़ते भ्रष्टाचार के बीच बताया जाता है कि गांव छोड़कर दूसरे प्रांतों में रहने वाले मजदूरों के नाम भी मनरेगा योजना में फर्जी तरीके से मजदूरी दर्ज कर फर्जी तरीके से भुगतान कराकर सरकारी धन में डाका डाला जा रहा है ग्राम प्रधान कुछ समय में करोड़ों की संपत्ति का मालिक बन चुका है लेकिन स्थिति यह है कि उसके माता-पिता भाई भाभी परिजन अभी भी मनरेगा योजना में मजदूरी करके परिवार का जीविकोपार्जन करने को मजबूर हैं ग्राम पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर आला अधिकारियों ने अभी नजर नहीं लगाई है वरना इस ग्राम पंचायत में बड़ा घोटाला उजागर होना तय है ग्रामीणों ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार की जांच करा कर दोषी ग्राम प्रधान पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है।

प्रधानाचार्य पर 42 लाख घोटाले का आरोप रिकवरी शून्य

बर्खास्त प्रधानाचार्य से वेतन की रिकवरी कराए जाने के बजाय जिम्मेदार क्यों दे रहे हैं उनको बल

कौशांबी। भरवारी कस्बे के कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य नीलम देवी की नियुक्ति को शिक्षा निदेशक ने अवैध करार देते हुए उन्हें बर्खास्त कर दिया है इस आदेश पर किसी अदालत ने स्टे नहीं दिया है पूर्व में नीलम देवी को दिए गए वेतन की वसूली करने के बजाए उसके बाद भी जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नीलम देवी प्रधानाचार्य को किसी स्वार्थ में वेतन दिया जाता रहा है बर्खास्त प्रधानाचार्य को गलत तरीके से वेतन देने वाले जिला विद्यालय निरीक्षक को शासन ने कौशांबी से हटा दिया है जिले में नए जिला विद्यालय निरीक्षक की तैनाती हो गई है जांच के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रधानाचार्य नीलम देवी पर 42 लाख 89 हजार 42 रुपए की धोखाधड़ी का आरोप की पुष्टि करते हुए 12 दिसंबर को प्रबंधतंत्र कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज भरवारी को निर्देश भेज दिया है लेकिन 2 महीने बीत जाने के बाद भी बर्खास्त प्रधानाचार्य नीलम देवी से 42 लाख 89 हजार रुपए की रिकवरी प्रबंध तंत्र नहीं करा सका है जिससे बर्खास्त प्रधानाचार्य नीलम देवी के ऊंची पकड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है धोखाधड़ी कर नौकरी हथियाने वाली प्रधानाचार्य नीलम देवी पर अभी धोखाधड़ी का मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है इन्होंने धोखाधड़ी से नियुक्ति हासिल की है और यदि विभाग ने नीलम देवी पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया तो इन्हें जेल की सलाखों में भी जाना होगा लेकिन बार-बार गुनाह करने वाली बर्खास्त प्रधानाचार्य नीलम देवी के गुनाहों पर जिम्मेदार पर्दा डालकर उन्हें बचाने का प्रयास किस दबाव में कर रहे हैं जो योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है यदि सूबे के मुख्यमंत्री ने बर्खास्त प्रधानाचार्य नीलम देवी के प्रकरण को गंभीरता से लिया तो नीलम देवी के साथ-साथ तमाम जिम्मेदारों पर गाज गिरना तय है।

विभिन्न मांगों को लेकर विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ ने किया धरना प्रदर्शन

अध्ययन अध्यापन को सामान्य रूप से जारी रखते हुए धरना प्रदर्शन 23 दिसंबर तक जारी रहेगा

अखंड भारत संदेश

आंदोलनरत धरना देते महाविद्यालय के शिक्षक

भरवारी कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ कार्यकारिणी द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर मेहता कालेज भरवारी में धरना प्रदर्शन सभा की गई है सरकार की शिक्षकों के साथ वादा खिलाफी के विरोध में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 सूत्रीय मांगों के प्रति शुक्रवार को शिक्षक जमकर गरजे हैं प्रो. राजेंद्र सिंह (उर्फ रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज से संलग्न भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी के प्रांगण में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने धरना प्रदर्शन सभा किया। महाविद्यालय शिक्षक संघ की अध्यक्षा डॉ. रूबी चौधरी ने बताया कि महाविद्यालय के अध्ययन अध्यापन को सामान्य रूप से जारी रखते हुए यह धरना प्रदर्शन 23 दिसंबर तक जारी रहेगा उन्होंने यह भी बताया कि यदि सरकार शिक्षकों के मांगों के प्रति सकारात्मक रुख नहीं अपनाती है तो धरना प्रदर्शन को बड़े आयाम पर ले जाते हुए 24 दिसंबर,2021 को विश्वविद्यालय मुख्यालय पर और 03 जनवरी, 2022 को सामुहिक अवकाश पर जाते हुए राज्य विधान सभा का घेराव किया जाएगा। धरना प्रदर्शन सभा के दौरान डॉ रूबी चौधरी श्वेता यादव डॉ नीति मिश्रा डॉ श्रद्धा मैडम डॉ विवेक त्रिपाठी डॉ आदिल स ंडॉ सी पी श्रीवास्तव डॉ पंकज डॉ दीपक डॉ सतीश तिवारी डॉ धर्मेन्द्र अग्रहरी डॉ विमलेश यादव राहुल कुमार राय डॉ लक्ष्मीकांत मिश्रा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एसोसिएशन की कार्यकारिणी हुआ गठन, राज किशोर शुक्ला बने अध्यक्ष रमेश सिंह महामंत्री

कौशाम्बी। शुक्रवार को मंझनपुर में जनपद के समस्त एआरपी की बैठक हुई बैठक में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से राज किशोर शुक्ला अध्यक्ष,रमेश सिंह महामंत्री,अनूप कुमार वर्मा कोषाध्यक्ष बृजेश कुमार पांडेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नैना देवी यादव,दयाशंकर विश्वकर्मा अनुराग पांडेय को उपाध्यक्ष, मनोज सिंह को संयुक्त मंत्री, प्रभाकर प्रसाद मिश्रा व राम सिंह को संगठन मंत्री, सतीश चंद शर्मा जिला प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी, कौशलेश तिवारी को व्यवस्था प्रमुख, रामकृष्ण साहू, अनूप कुमार उपाध्याय,ज्ञान सिंह को मंत्री, सुधांशु प्रकाश उपाध्याय को आडिटर,शचींद्र मिश्रा आई टी प्रमुख चुने गए। संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकिशोर शुक्ला ने कहा कि संगठन एकेडमिक रिसोर्स पर्सन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेगा।संगठन के सभी पदाधिकारियों को अपने पद दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी से करने हेतु प्रेरित किया।इस मौके पर अतुल प्रकाश प्रजापति, मायापति त्रिपाठी, धर्मेंद्र पाठक, पीयूष त्रिपाठी, राम रतन सिंह, आशुतोष कुमार शुक्ला अवनीश त्रिपाठी भूपेंद्र कुमार सिंह रमेश चंद्र तिवारी,सुधांशु यादव सहित समस्त एआरपी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन सतीश चंद शर्मा ने किया।

शिक्षक के घर चोरी का नहीं हुआ खुलासा, एसपी से फरियाद

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के पाता रोड पर शिक्षक त्रिभुवन सिंह पुत्र मनफूल के सूने घर में 30 नवंबर को ताला तोड़कर तीन लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने के जेवर नगदी गैस सिलेंडर एलईडी टीवी आदि चोर उठा ले गए थे घटना के एक दिन पूर्व शिक्षक परिवार सहित दावत खाने इलाहाबाद चले गए थे वापस आने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई है मौके पर आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया था मामले की सूचना पुलिस को दिए जाने के बाद भी 18 दिन बीत जाने के बाद घटना के खुलासा में पुलिस रत्ती भर आगे नहीं बढ़ सकी है जिस पर पीड़ित शिक्षक त्रिभुवन सिंह ने शिकायती पत्र देते हुए पुलिस अधीक्षक से फरियाद कर घटना का खुलासा और चोरी के जेवरात नकदी को बरामद करने की मांग की है।

डीएम ने धान खरीद केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

किसानों को भुगतान की स्थिति की ली जानकारी

धान खरीद केंद्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने धान खरीद केन्द्र मण्डी समिति भरवारी एवं पीसीएफ केन्द्र भरवारी का आकस्मिक निरीक्षण किया जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान किसान से वार्ता कर टोकन एवं किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं है आदि की जानकारी प्राप्त किया गया। उन्होने जिला विपणन अधिकारी एवं विपणन निरीक्षक से एक दिन में कितने किसानों से धान क्रय होता है बोरे की उपलब्धता किसानों को भुगतान की स्थिति तथा अब तक कितना खरीद किया गया आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपने सामने कुछ धान की बोरों का तौल कराया जो सही पाया गया जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्र पर धान विक्रय कर चुके किसान राजेन्द्र प्रसाद महमूद अहमद शिखर प्रताप सिंह गजराज आदर्श सिंह राम मिलन एवं गजाधर प्रसाद सिंह के मोबाइल नम्बर पर वार्ता करवाकर कितना धान विक्रय किया गया एवं भुगतान की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने पर किसानों द्वारा बताया गया कि भुगतान समय पर हो गया है एवं जितना धान विक्रय बताया गया उसका अंकन भी रजिस्टर में सही पाया गया उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाय कि धान खरीद के सम्बन्ध में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाये तथा लक्ष्य के सापेक्ष धान की खरीद सुनिश्चित किया जाय।

मंडी समिति के धान खरीद केंद्र में किसानों से हो रही वसूली

कौशांबी। सरकारी खरीद एजेंसी के नाम पर मंडी समिति ओसा को भी जिम्मेदारी सौंप दी गई है और ओसा मंडी समिति विवादों से हमेशा घिरा रहा है और विवादों से रिश्ता रखने वाले मंडी समिति ओसा में धान खरीद के नाम पर किसानों से जबरदस्त वसूली हो रही है बताया जाता है कि 120 रुपये प्रति कुंटल धान खरीद में किसानों से खरीद प्रभारी अवैध वसूली कर रहे हैं मंडी समिति के सचिव के पास कई मंडी का चार्ज है जिससे मंडी सचिव को ओसा मंडी की स्थिति देखने की फुर्सत नहीं है धान खरीद में वसूली के मामले में मंडी समिति के तमाम गुनाहों की चर्चा किसानों ने करते हुए बताया कि प्रत्येक बोरी धान की तौल में उनसे 1 किलो अधिक धान लिया जाता है जिसका भुगतान नही दिया जाता यदि आंकड़ों की बात करें तो मंडी समिति ओसा के धान खरीद केंद्र में करोड़ों के घोटाले वसूली खुलेआम हो रहे हैं योगीराज में किसान लूटे जा रहे हैं जनप्रतिनिधियों ने भी बेलगाम अधिकारियों के कारनामों पर चुप्पी साध रखी है जिससे किसानों में आक्रोश है।

चायल विधानसभा के विकास और समस्या समाधान के लिए मै हमेशा समर्पित : सुशील जयहिंद

सकिपा प्रत्याशी ने चायल विधानसभा के कई गांवों में किया जनसंपर्क, मांगा समर्थन

जनसंपर्क करते समर्थ किसान पार्टी नेता

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के चायल विधानसभा के प्रत्याशी सुशील जयहिंद ने गुरुवार को चायल विधानसभा के कई गांवों का भ्रमण कर जनसंपर्क किया और आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए लोगों से समर्थन मांगा। इस दौरान तमाम लोगों ने इस बार के विधानसभा चुनाव में समर्थ किसान पार्टी के प्रत्याशी को सपोर्ट करने का वादा भी किया।

पार्टी द्वारा घोषित चायल विधानसभा के प्रत्याशी सुशील जयहिंद ने गुरुवार को चायल विधानसभा के कुड़ापुर, सैय्यद सरावा, टाटा बलीपुर, चरवा, पिपरी समेत कई गांवों का भ्रमण किया और लोगों से जनसंपर्क कर आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए समुचित समर्थन करने की अपील की। साथ ही लोगों से वादा भी किया कि यदि चायल विधानसभा की देवतुल्य जनता ने विधायक बनाया तो लोगों की समस्या के समाधान एवं चायल विधानसभा के विकास के लिए मै सदैव समर्पित रहूंगा। किसानों, गरीबों, कामगारों एवं आम जनता के हित में मै लगातार संघर्ष करूंगा और उनके हक के लिए आवाज बुलंद करता रहूंगा। इस दौरान तमाम लोगों ने भी सुशील जयहिंद को आने वाले विधानसभा चुनाव में वोट देने का वादा किया। इस अवसर लोगों से वार्ता करते हुए समर्थ किसान पार्टी के प्रत्याशी सुशील जयहिंद ने कहा कि अभी तक जितने लोग भी चायल विधानसभा से विधायक बने हैं, वे सब लोग सिर्फ अपना और अपने कुछ लोगों का ही निजी विकास किया है और चायल की जनता आज भी परेशान हाल में जीने को विवश है। आगे कहा कि वर्तमान विधायक सिर्फ अखबार और सोशल मीडिया पर ही ज्यादा एक्टिव रहते हैं और जमीनी स्तर पर लोगों के लिए कभी भी ध्यान नहीं देते। उनका अपना और अपने कुछ खास लोगों के विकास से मतलब है जबकि चायल विधानसभा की जनता आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है और विकास की राह देख रही है। इसका खामियाजा आने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा विधायक को जरूर उठाना पड़ेगा। सुशील जयहिंद ने चायल विधानसभा की देवतुल्य जनता से निजी स्वार्थ में वशीभूत लोगों को इस बार हटाने का आह्वान करते हुए कहा कि अबकी बार चायल विधानसभा में परिवर्तन अवश्य होना चाहिए। इस अवसर पर शरत चन्द्र रॉय, विकास पांडेय, राकेश जायसवाल, व्रतशील राजभर, कल्लू सरोज, देशराज पटेल, राजू यादव, शमीम अहमद आदि मौजूद रहे।

कोविड वैक्सीन को बढ़ावा देने के लिए सीएचसी कड़ा ने शुरू की अनूठी पहल

अखंड भारत संदेश

कोरोना वैक्सीन की जागरूकता के लिए रैली निकालते चिकित्सक

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। कोविड वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के लिए सीएचसी कड़ा द्वारा अनूठी पहल शुरू की गयी है।कोविड वैक्सीनेशन को गति देने के लिए अब सीएचसी की टीम द्वारा जिन गांवो में वैक्सीनेशन कैम्प लगाया जाएगा उस गांव में वैक्सीनेशन के पूर्व गांव के प्रभावशाली लोगों के साथ जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक किया जाएगा।शुक्रवार को सीएचसी प्रभारी डॉ नीरज सिंह के निर्देशन में अस्पताल परिसर से एक जनजागरूकता रैली निकाली गयी।इस दौरान अधीक्षक डॉ नीरज सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया।जागरूकता रैली द्वारा अस्पताल क्षेत्र के कई गांवों में जाकर लोगों को वैक्सीन लगवाने के फायदे बताते हुए उन्हें समय से अपनी डोज लगवाने के लिए जागरूक किया गया साथ ही लोगों को कोविड वैक्सीन से सम्बंधित तमाम जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।अस्पताल परिसर से निकली जागरूकता रैली विभिन्न गांवों का भ्रमण करने के पश्चात पुनः अस्पताल परिसर पर आकर समाप्त हुई।इस मौके पर डब्ल्यूएचओ ब्लाक मानीटर केएन दुबे,यूनिसेफ बीएमसी हिना खान, बीसीपीएम रोहिणी त्रिपाठी, बीपीएम प्रदीप सिंह, महिला चिकित्सक डॉ प्रतिभा गुप्ता, रवि कुमार पाण्डेय, विमला देवी, रीता देवी सहित तमाम आशा बहुएं, आँगनबाड़ी कार्यकत्री व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

बदले गए एसडीएम चायल

कौशांबी। चायल तहसील में तैनात रहे उप जिलाधिकारी आरडी राम को जिलाधिकारी ने हटा दिया है। इस तहसील में पूर्व में रहे उप जिलाधिकारी राजेश श्रीवास्तव को फिर से चायल तहसील में उप जिला अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है विधानसभा चुनाव को देखते हुए एसडीएम की अदला-बदली की गई है आशंका जताई जा रही है कि आरडी राम एसडीएम से कुछ सम्भावित विधायक प्रत्याशी नाराज थे उन्हें आशंका थी कि आरडी राम के रहते हुए वह मतदान में हेरा फेरी नहीं कर पाएंगे जिससे आरडी राम की शिकायत करा कर उन्हें हटवा दिया गया है जिससे अब विधानसभा के प्रत्याशी बेखौफ तरीके से मतदान में अपनी मनमर्जी कर सकेंगे।

कोविड की तीसरी लहर के लिए चौथी मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा में स्थापित कोविड एल्वन प्लस मे पीकू से संबंधित मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें शासन के निदेर्शानुसार नोडल अधिकारियों को भेजकर चेक लिस्ट के माध्यम से कमियों को दूर करने के लिए अभ्यास का आयोजन करते हुए अनुश्रवण किया गया कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा में 50 सैया युक्त कोविड एल -1 प्लस में 12 पीकू के संबंधित बेडो को आरक्षित किया गया है और 28 ऑक्सीजन युक्त कंसट्रेटर संचालित बेड हैं 50 बेडो में ऑक्सीजन पाइप लाइन का कार्य किया जा चुका है और ऑक्सीजन प्लांट का पीएसए सिस्टम इंस्टॉल हो गया है। दवाओं की उपलब्धता के बारे में द्वारा दवा की उपलब्धता चेक किया गया और जो दवाइयां अभी उपलब्ध नहीं है उनको मांग पत्र देकर मंगाने के लिए निर्देशित किया गया। इस अभ्यास में एक गंभीर रोगी को एंबुलेंस के द्वारा लाकर उसके मैनेजमेंट की कार्यशैली को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा की टीम के द्वारा करते हुए नोडल अधिकार ने अनुश्रवण और ऑक्सीजन सपोर्ट देने में मात्र 2 मिनट लगे जिससे ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित हो गई। मॉक ड्रिल का अनुश्रवण डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर डॉ आलोक द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में अधीक्षक डॉ नीरज सिंह के निर्देशन में डॉ सुभाष डॉ वंदना सिंह, वीरेंद्र सिंह ,प्रदीप सिंह, आर के पांडे, गुरवीर सिंह, सोनम देवी, युवराज सिंह आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

भागवत कथा में उपस्थित भक्तगण

कृष्ण और रुक्मणी के विवाह को देखने उमड़े भक्तगण

बैरमपुर कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के कोलुहआ कोरीपुर के बीच प्राचीन भैरो बाबा के मंदिर परिसर में भागवत कथा यज्ञ का आयोजन कथावाचक परमानंद जी महाराज द्वारा कई दिनों से किया जा रहा है भागवत कथा श्रवण के लिए इलाके के तमाम गांव के महिला-पुरुष उपस्थित हो रहे हैं भागवत कथा के आयोजन में शुक्रवार को भगवान श्री कृष्ण और रुक्मणी के विवाह का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया है जहां बड़े ही मनमोहक तरीके से भगवान श्री कृष्ण रुक्मणी का विवाह कथावाचक द्वारा कराया गया है इस प्रसंग को देखने के लिए इलाके के कई गांव के महिला पुरुष भक्त गण उपस्थित हुए रुक्मणी कृष्ण के विवाह पर कथावाचक ने विस्तार से चर्चा करते हुए भागवत कथा प्रसंग को आगे बढ़ाया है भागवत कथा के आयोजन के बाद यज्ञ का कार्यक्रम आयोजित है कार्यक्रम के आयोजक साधु प्रसाद सिंह उनके परिजन और रिश्तेदार इस कार्यक्रम में सहयोग कर रहे हैं भागवत कथा के आयोजन में सुखराज तिवारी धर्म सिंह शालिग्राम मिश्रा राजेश तिवारी दीपू मिश्रा हुकुम सिंह सहित तमाम महिला पुरुष भक्त प्रतिदिन शामिल हो रहे हैं।

सम्पादकीय

लड़कियों के लिए सही फैसला

हिंदुस्तान में अमूमन लड़कियों को पराए धन की तरह बताया जाता है और बहुत बार उन्हें बोझ माना जाता है। घर की बेटियों की जल्द से जल्द शादी करवाने की कोशिश रहती है, ताकि वो ससुराल जाकर अपना घर संभाले। लेकिन जिस घर में जन्म लिया, वहां से जल्द से जल्द विदा करने की यह रस्म कई बार सामाजिक कुरीतियों को जन्म देती है। इससे लड़कियों की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक स्थिति कई बार प्रभावित होती है। अपने ही परिजनों के अनकहे शोषण का शिकार लड़कियां होती हैं। यह स्थिति बदल सकती है, अगर लड़कियों को पूरी तरह सक्षम और आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसलिए देश में कई बार लड़कियों की शादी की सही अवस्था को लेकर विमर्श हुआ। कई कोशिशों के बाद बाल विवाह पर काफी हद तक रोक लगाई गई है। लड़कियों की शादी की उम्र भी 12 की जगह 18 वर्ष की गई और अब इसमें एक बड़ा बदलाव करते हुए मोदी केबिनेट ने बुधवार को फैसला लिया है कि लड़कियों की शादी की उम्र भी लड़कों के बराबर यानी 21 वर्ष की जाए। केबिनेट की इस प्रस्ताव के बाद अब लड़कियों की शादी की उम्र में बदलाव के लिए सरकार मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी। गौरतलब है कि पिछले साल 15 अगस्त के मौके पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात का जिक्र किया था और उम्र को बढ़ाने की बात कही थी। इसके बाद जया जेटली की अध्यक्षता में 10 सदस्यों की टास्क फोर्स का गठन किया गया। इस टास्क फोर्स का गठन मातृत्व की उम्र से संबंधित मामलों, मातृ मृत्यु दर को कम करने की आवश्यकता, पोषण में सुधार से संबंधित मामलों की जांच के लिए किया गया था। रिपोर्ट में जेटली ने कहा है कि हमारी सिफारिश के पीछे का तर्क कभी भी जनसंख्या नियंत्रण का नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा जारी हालिया आंकड़ों ने पहले ही संकेत दिए हैं कि कुल प्रजनन दर घट रही है और जनसंख्या नियंत्रण में है। जया जेटली ने कहा कि हमारी सिफारिश विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श के बाद और अधिक महत्वपूर्ण रूप से युवा वयस्कों, विशेष रूप से युवा महिलाओं के साथ चर्चा के बाद हुई। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि यह फैसला सीधे तौर पर उन्हें प्रभावित करता है। हमें 16 विश्वविद्यालयों से जवाब मिले और युवाओं तक पहुंचने के लिए 15 से अधिक गैरसरकारी संगठनों को शामिल किया गया है। ग्रामीणों के साथ ही पिछड़े वर्ग और सभी धर्मों और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से फीडबैक लिया गया। इसमें सामने आया है कि शादी की उम्र 22-23 वर्ष होनी चाहिए। समिति ने सिफारिश की है कि निर्णय की सामाजिक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के मामले में परिवहन सहित लड़कियों के लिए स्कूलों और विश्वविद्यालयों तक पहुंच की भी मांग की है। समिति ने यौन शिक्षा को औपचारिक रूप पढ़ाने और स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की है। पॉलिटेक्निक संस्थानों में महिलाओं के प्रशिक्षण, कौशल और व्यवसाय प्रशिक्षण और आजीविका बढ़ाने की भी सिफारिश की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विवाह योग्य आयु में वृद्धि को लागू किया जा सके। सिफारिश में कहा गया है कि अगर लड़कियां दिखा दें कि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं, तो माता-पिता उनकी जल्दी शादी करने से पहले दो बार सोचेंगे। लड़कियों की शादी की सही उम्र और प्रगति के अन्य पहलुओं पर सरकार की यह पहल स्वागत योग्य है और समय के अनुकूल भी है। लड़कियां उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ-साथ अपनी योग्यताओं को विस्तार देने के लिए और अधिक वक्त मिलना चाहिए। जिस तरह लड़कों को आत्मनिर्भर होना जरूरी माना जाता है, उसी तरह अगर लड़कियों को भी अपने पैरों पर खड़े होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें इसके लिए सुविधाएं दी जाएं, तो आगे जाकर कई तरह की तकलीफों से उन्हें बचाया जा सकता है। एक स्वस्थ समाज के लिए भी यह जरूरी है कि लड़के और लड़की में हर तरह से समानता रहे, इस पर केवल जुबानी जमा खर्च न हो। आजादी के पहले से देश में लड़कियों के उत्थान की कोशिश समाजसुधारकों ने की है। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा रुकवाई। ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने स्त्री शिक्षा को आगे बढ़ाया। राय साहब हरविलास शारदा के प्रयत्नों से 1927 में बाल विवाह रोकने का विधेयक पेश हुआ, जिसमें विवाह के लिए लड़कों के लिए न्यूनतम उम्र 18 और लड़कियों के लिए 14 साल करने का प्रस्ताव रखा गया और साल 1929 में यह कानून बना। इससे पहले लड़कियों की शादी की उम्र 12 साल मानी जाती थी। शारदा एक्ट बना तो बाल विवाह रोकने में मदद मिली, इसके बाद इस कानून में कई संशोधन हुए। आजादी के बाद साल 1978 में लड़कों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल कर दी गई। हालांकि, इस वक्त तक इस खास ध्यान नहीं दिया जाता था और ना ही ज्यादा सजा आदि का प्रावधान था। साल 2006 में इसकी जगह बाल विवाह रोकथाम कानून लाया गया, इसके तहत लड़के और लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु को तय किया गया है। इसके बाद से इससे कम उम्र में शादी करना गैर-कानूनी माना गया है और सजा के साथ जुमार्ने के भी प्रावधान है। अब देखना होगा कि मोदी सरकार लड़कियों की शादी की उम्र में संशोधन के कानून में किस तरह के प्रावधान रखती है। यह कानून तभी प्रभावकारी साबित होगा, जब रूढ़िवादी सोच को छोड़कर लड़कियों के विकास के लिए खुले मन से समाज इसे स्वीकार करेगा।

चीन और अमेरिका बांग्लादेश में राजनीतिक वफादारी पाने के लिए लड़ रहे

आशीष बिस्वास

हाल के दिनों में, बीएनपी और अन्य इस्लामी समूहों के कार्यकताओं और नेताओं ने क्रूर मुठभेड़ों और एएल समर्थक तत्वों द्वारा किए गए उनके रैंकों के गायब होने की शिकायत की है हाल के दिनों में, बीएनपी और अन्य इस्लामी समूहों के कार्यकताओं और नेताओं ने क्रूर मुठभेड़ों और एएल समर्थक तत्वों द्वारा किए गए उनके रैंकों के गायब होने की शिकायत की है, जिन्हें कथित तौर पर प्रशासन द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। कुछ अधिकारियों और एएल नेताओं के बीच भ्रष्टाचार भी देर से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रमुख कारक के रूप में उभरा है। इस तरह की प्रवृत्तियों ने एएल और नागरिक समाज में धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक नेताओं को गहराई से चिंतित और परेशान किया है। यह अब आधिकारिक है। बांग्लादेश में, चीन सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) का दृढ़ता से समर्थन करता है, पश्चिमी देश, अमेरिका और यूरोपीय संघ के नेतृत्व में, मुख्य विपक्षी संगठन, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अधिक समर्थक होते जा रहे हैं। विडंबना यह है कि 1991 में बीएनपी के कार्यकाल के बाद 2001 में एक और 5 साल के कार्यकाल के दौरान, चीन-बांग्लादेश संबंध फलने-फूलने लगे। एएल नेतृत्व बांग्लादेश की संप्रभुता को पहचानने में बीजिंग की देरी और वर्षों से पाकिस्तान को उसके लगातार समर्थन को कभी नहीं भूला था। वर्तमान में बीएनपी ने बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति के बीजिंग के वर्तमान आकलन पर तीखा हमला किया है। ढाका में चीनी दूत ली जिमिंग ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश द्वारा की गई आर्थिक प्रगति की गर्मजोशी से प्रशंसा की। इसे एक उकसावे के रूप में मानते हुए, बीएनपी नेताओं ने सत्तारूढ़ एएल शासन के लिए बीजिंग के शानदार समर्थन के खिलाफ तीखा विरोध किया है। बांग्लादेश के प्रति पश्चिमी दृष्टिकोण इसके विपरीत है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय आभासी लोकतंत्र शिखर सम्मेलन से बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका को बाहर रखा। हालांकि, पाकिस्तान को आमंत्रित किया गया था। अमेरिका ने ढाका को छोड़कर कुछ बांग्लादेशी नागरिक अधिकारियों को एएल के राजनीतिक विरोधियों और मानव संसाधन अधिकारों से संबंधित मुद्दों के साथ उनके व्यवहार में कथित रूप से नकारात्मक लोकतंत्र विरोधी और सत्तावादी भूमिका के लिए प्रतिबंधित कर दिया।

बांग्लादेश सरकार ने अपने अधिकारियों के खिलाफ एकतरफा अमेरिकी कार्रवाई का विरोध किया। इसने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम भविष्य में द्विपक्षीय संचार को प्रभावित कर सकते हैं। बांग्लादेश में पर्यवेक्षक वर्तमान समय को याद नहीं कर सकते, क्योंकि प्रमुख विश्व शक्तियां दक्षिण एशियाई देशों की घरेलू नीतियों से लगभग सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। चीन और अमेरिका ने म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन और देश के शासन में लगातार सेना के हस्तक्षेप पर हमेशा विपरीत रुख अपनाया है। बांग्लादेश के साथ इसके विपरीत, जहां संसदीय से लेकर नगरपालिका स्तर तक नियमित चुनाव होते रहे हैं, तेज नहीं हो सकता।

एएल और पश्चिमी ब्लॉक के बीच संबंध शुरू से ही कठिन रहे हैं। अमेरिका के नेतृत्व में अधिकांश यूरोपीय देशों ने पाकिस्तान के टूटने का स्वागत नहीं किया। उन्होंने 1970 के चुनावों के बाद पाकिस्तान के बहुमत वाले नेता या उनकी पार्टी - एएल के शेख मुजीबुर रहमान का समर्थन नहीं किया! चीन तटस्थ रहा, जबकि पश्चिम ने पाकिस्तानी अत्याचारों और पाक सैनिकों द्वारा ज्यादातर अमेरिका निर्मित हथियारों का उपयोग करके निर्दोष बंगाली नागरिकों के नरसंहार को नजरअंदाज कर दिया। बांग्लादेश के अपने आप में पूरी तरह कार्यात्मक लोकतंत्र बनने के बाद भी, पाकिस्तान के नुकसान पर पश्चिमी जुनून स्थायी साबित हुआ। वाशिंगटन से इस्तांबुल से रियाद तक, एएल पर बार-बार दबाव डाला गया कि वह पाक युद्ध अपराधियों के मुकदमे को आगे न बढ़ाए। यह, उनके बांग्लादेशी इस्लामी समर्थकों द्वारा लाखों लोगों की हत्या और हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमलों में उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी के बावजूद था। जैसा कि कई विश्लेषकों ने बाद में स्वीकार किया है, पश्चिमी लोकतंत्र के लिए 1970-71 में पूर्वी पाकिस्तान में निर्दोष नागरिकों के नरसंहार की उपेक्षा करना वास्तव में आश्चर्यजनक था। कोई आश्चर्य नहीं कि एएल ने पश्चिमी विरोधों की अनदेखी की और युद्ध अपराधों जैसे प्रमुख मुद्दों पर अपने स्वयं के राजनीतिक एजेंडे के साथ आगे बढ़े। . ढाका और पश्चिमी राजधानियों के बीच राजनयिक असंगति चौड़ी हो गई। पश्चिमी संस्थानों और एजेंसियों ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर बांग्लादेश को उसके विशाल पद्मा पुल के निर्माण में मदद करने से मना कर दिया, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा पुल है।

कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर धांधली और डराने-धमकाने का आरोप लगाते हुए, हाल के वर्षों में अमेरिका और यूरोपीय नेताओं ने हाल के वर्षों में अपनी चुनावी जीत पर एएल को बार-बार लताड़ा। उन्होंने एएल के राजनीतिक विरोधियों के साथ किए गए क्रूर व्यवहार पर ढाका की आलोचना की, जिसमें सामूहिक हत्या के कुछ आरोपी भी शामिल थे। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपने खराब नागरिक अधिकारों के रिकॉर्ड के लिए बांग्लादेश की आलोचना की। पश्चिमी पर्यवेक्षकों ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश में चुनावों में हमेशा धांधली हुई थी और उन्होंने स्वीकार किया कि वे बीएनपी के साथ काम करने में अधिक सहज हैं!

भारत-आधारित पर्यवेक्षकों को यह अजीब लगता है कि पूर्व पाकिस्तानी युद्ध अपराधियों को भी उनके सिद्ध अपराधों के बावजूद अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों में ऐसी सहानुभूति और समर्थन मिलता है। हालांकि हाल के दिनों में, बीएनपी और अन्य इस्लामी समूहों के कार्यकताओं और नेताओं ने क्रूर मुठभेड़ों और एएल समर्थक तत्वों द्वारा किए गए उनके रैंकों के गायब होने की शिकायत की है, जिन्हें कथित तौर पर प्रशासन द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। कुछ अधिकारियों और एएल नेताओं के बीच भ्रष्टाचार भी देर से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रमुख कारक के रूप में उभरा है। इस तरह की प्रवृत्तियों ने एएल और नागरिक समाज में धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक नेताओं को गहराई से चिंतित और परेशान किया है। पर्यवेक्षक शेख हसीना और एएल के लिए चीनी दूत की प्रशंसा के खिलाफ बीएनपी के विरोध को कुछ हद तक विडंबनापूर्ण पाते हैं। यह बेगम जिया ही थीं जिन्होंने बीएनपी शासन के दौरान भारत की कीमत पर चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए थे। उसने उन्हें रक्षा क्षेत्र के सौदों और हथियारों और हथियारों की खरीद में अनूठी सुविधाओं की पेशकश की। उन दिनों से लेकर आज तक, जब पार्टी को सालों तक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभानी पड़ती है, स्थिति में बदलाव से बीएनपी या उसकी सर्वोच्च नेता, बीमार बेगम जिया के लिए बहुत कम खुशी हुई है। एएल और उसके नेता के लिए चीनी प्रशंसा के लिए बीएनपी की प्रतिक्रिया केवल विरोध से अधिक एक चेतावनी है। इसने सभी लोकतांत्रिक मानदंडों को धता बताते हुए देश में सभी विपक्षों के एएल के विनाश और फासीवादी रणनीति को अपनाने का उल्लेख किया। बीएनपी के मुताबिक, देश के लोग एएल के शासन से तंग आ चुके थे। बांग्लादेश के संवेदनशील मुद्दों पर सार्वजनिक होने से पहले चीनियों से बुनियादी तथ्य जांच करने का आग्रह किया गया।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर : अखिलेश ने बनाया इसे हिन्दू बनाम हिन्दू

उपेन्द्र प्रसाद

भाजपा के लिए यह चुनाव निश्चय ही एक कठिन चुनाव है और इसे जीतने के लिए ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन उस समय किया गया, जबकि यह अभी तक पूरा भी नहीं हुआ है। इसे कॉरिडोर के प्रथम फेज का उद्घाटन कहा जा रहा है। जाहिर है, कॉरिडोर का पूरा काम होना अभी बाकी है। इस उद्घाटन के द्वारा भाजपा योगी सरकार को एक सफल सरकार बताने और दिखाने की कोशिश कर रही है। वह अयोध्या को भी अपनी उपलब्धि बता रही है। बहुत ही तामझाम और धूम-धड़ाके के साथ बनारस में बहुचर्चित काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 13 दिसंबर को किया। यह आयोजन बनारस में हुआ, लेकिन इसमें पूरे देश और खासकर पूरे उत्तर प्रदेश को डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से शामिल करने की कोशिश की गई। कहने को तो यह एक धार्मिक आयोजन था, लेकिन इसका मकसद पूरी तरह से राजनैतिक ही था और तात्कालिक मकसद आगामी कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाना था। सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने इस मकसद में कामयाब हो पाएंगे? पश्चिम बंगाल चुनाव में लाख जतन लगाने के बावजूद भी उनकी पार्टी हार गई और उसके बाद हुए उपचुनावों में भी उसका स्थिति अच्छी नहीं रही। फिलहाल हिन्दी प्रदेश उसके लिए ज्यादा मायने रखते हैं, लेकिन हिन्दी प्रदेशों में ही भाजपा की सबसे खराब हालत रही। हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में तो उसके उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा दुर्गति हुई और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश तो हिन्दी का हृदय प्रदेश है। यदि आसपास के इलाकों में हुए उपचुनाव का कोई संदेश है, तो वह भाजपा के लिए नकारात्मक ही है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान असंतोष बगैरह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत को अत्यंत कठिन बना दिया है। किसानों के बढ़ते असंतोष को थामने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों विवादास्पद कानूनों को वापस ले लिए। उन कानूनों को वापस नहीं लेने का राजहठ नरेन्द्र मोदी का था, लेकिन चुनाव जीतने का मोह राजहठ पर भारी पड़ा और मोदीजी ने उसे अपने अंदाज में वापस ले लिया, लेकिन आंदोलन के कारण जो असंतोष पैदा हुआ था, वह अभी भी समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। यह मोदी और उनकी भाजपा के लिए सबसे ज्यादा चिंता का कारण है। देखने से तो लगता है कि यह आंदोलन सिर्फ पश्चिम उत्तर प्रदेश तक ही सीमित था, लेकिन सच कहा जाय, तो इसका असर पूरे उत्तर प्रदेश पर था।

अखिलेश यादव की सभाओं में उमड़ती भीड़ भी भाजपा के लिए चिंता का सबब है। प्रतिपक्ष के मुख्य नेता और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार अखिलेश अभी विजय यात्रा पर निकले हुए हैं। यात्रा के दौरान उन्हें भारी जनसमर्थन तो मिल ही रहा है, बीच-बीच में होने वाली सभाओं में जुटी भीड़ भी अपूर्व और अप्रत्याशित है। लोग वहां लाए नहीं जा रहे हैं, बल्कि खुद आ रहे हैं। जिन इलाकों में अखिलेश की जाति के लोगों की आबादी नहीं है, वहां भी लोग भारी संख्या में उन्हें देखने और सुनने को उमड़ रहे हैं। इसका मतलब है कि उनका समर्थन उनकी जाति तक सीमित नहीं रह गया है। समाज के अधिकांश तबकों में उनके समर्थन का आधार बढ़ता चला गया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए चिंता की एक बात यह भी है कि मुकाबला वहां लगभग आमने सामने का होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति पिछले कुछ दशकों से त्रिकोणीय संघर्ष वाली रही है। भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बसपा मुख्य राजनैतिक ताकतें रही हैं, लेकिन इस बार बहुजन समाज पार्टी पर लगभग पूरी तरह ग्रहण लग गया है और मुकाबला भाजपा और सपा के बीच तक सीमित होता जा रहा है। तीन तरफा मुकाबला सत्तारूढ़ दल के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है, क्योंकि सत्ताविरोधी फ्लोटिंग मतदाता दो खेमे में बंट जाते हैं, लेकिन जब मुकाबला आमने सामने का होता है, तो सत्ता विरोधी फ्लोटिंग मतदाता सामने की विपक्षी पार्टी की ओर ध्रुवीकृत हो जाता है। इसका लाभ अखिलेश यादव को मिल रहा है। मायावती अब उत्तर प्रदेश की राजनैतिक ताकत नहीं रह गई हैं। उनका समर्थन आधार सिर्फ उनकी जाति तक सिमटकर रह गया है। उसके बाहर उनके प्रति समर्थन का कोई भाव नहीं रहा है। यह सच है कि उनकी जाति प्रदेश में सबसे अधिक आबादी वाली जाति है, लेकिन उसका प्रतिशत मात्र 12 ही है। ध्रुवीकरण की स्थिति में पूरे 12 प्रतिशत लोग उनको मत देंगे, इसमें भी शक है। जो घोर भाजपा विरोधी हैं, वे सपा में चले जाएंगे और जो घोर सपा विरोधी हैं वे भाजपा में चले जाएंगे। इसलिए हो सकता है, मायावती को इस बार 10 फीसदी वोट भी नहीं मिले और उनकी पार्टी अपने इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन इस बार दर्ज करे। बहरहाल हम बात भाजपा की कर रहे हैं। भाजपा के लिए यह ुनाव निश्चय ही एक कठिन चुनाव है और इसे जीतने के लिए ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन उस समय किया गया, जबकि यह अभी तक पूरा भी नहीं हुआ है। इसे कॉरिडोर के प्रथम फेज का उद्घाटन कहा जा रहा है। जाहिर है, कॉरिडोर का पूरा काम होना अभी बाकी है। इस उद्घाटन के द्वारा भाजपा योगी सरकार को एक सफल सरकार बताने और दिखाने की कोशिश कर रही है। वह अयोध्या को भी अपनी उपलब्धि बता रही है, लेकिन अभी वहां काम जारी है और उससे संबंधित कोई इवेंट भाजपा आयोजित नहीं कर सकती, जबकि इसकी राजनीति इवेंट मैनेजमेंट के आधार पर चलती है और इवेंट मैनेज करना का मौका उसके बनारस में मिला है। अखिलेश यादव को भी पता है कि इस तरह के आयोजनों का असर मतदाताओं के दिमाग पर पड़ता है। हिन्दू धार्मिकता का चैंपियन खुद को बताकर भाजपा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। इसलिए अखिलेश यादव भी इस कॉरिडोर का श्रेय लेने के लिए मैदान में कूद पड़े हैं। वे कह रहे हैं कि इस कॉरिडोर की परिकल्पना उनकी सरकार के समय में हुई थी और उसके लिए उन्होंने अनुमति भी प्रदान कर दी थी। सरकार बदल जाने के कारण वे आगे कुछ कर नहीं पाए। अब वह कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की योगी सरकार ने उनके ही द्वारा शुरू किए गए कार्य को आगे बढ़ाया है, इसलिए इस कॉरिडोर के श्रेय के असली हकदार वे खुद हैं न कि योगी और मोदी। इसके पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के समय भी उन्होंने इसी तरह की बात की थी। वे अपनी बातों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत भी जारी कर रहे हैं। जाहिर है कि अखिलेश के दावों के कारण भारतीय जनता पार्टी हिन्दू हितों की एक मात्र अलंबरदार पार्टी अपने को बनाने में विफल हो गई है। अखिलेश के दावों का उसके पास कोई जवाब नहीं। बस वह यही कह रही है कि पहले उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बारे में लोगों को क्यों नहीं बताया? यानि इस कॉरिडोर पर हिन्दू बनाम हिन्दू की लड़ाई चल रही है। यह लड़ाई हमें लोहिया की पुस्तक हिन्दू बनाम हिन्दू की याद दिला देता है, जिसके अनुसार भारत में हजारों साल से हिन्दू बनाम हिन्दू का संघर्ष चल रहा है और आने वाले दिनों में भी यह संघर्ष चलता रहेगा।

हमारे युद्ध और युद्धों की हमारी यात्रा

भवेश दिलशाद

युद्धों के वृत्तांत या रिपोर्ताज पहले भी लिखे जाते रहे हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के संदर्भ में शिवसागर मिश्र के लड़ेंगे हजार साल को भुलाया नहीं जाना चाहिए। इसका शीर्षक ही मनुष्य की युद्धवृत्ति और युद्ध नियति का उद्घोष करता है। वास्तव में रिपोर्ताज को तो युद्ध की ही उपज माना गया। रेणु ने दूसरे विश्व युद्ध के संदर्भ में धर्मयुग में ही लिखा था- गत महायुद्ध ने चिकित्सा के चीर-फाड़ विभाग को पेनिसिलीन दिया और साहित्य के कथा विभाग को रिपोर्ताज। मलेश्वर ने कितने पाकिस्तान में इस बात को गंभीर और ठोस ढंग से उठाया था कि पाकिस्तान दुनिया का पहला और संभवतः इकलौता ऐसा देश था, जो एक धर्म के आग्रह या जिद के आधार पर बना। लेकिन पूर्वी पाकिस्तान में इस्लाम यानी धर्म के बरक्स बांग्ला यानी सभ्यता अधिक दृढ़ थी। जड़ों से जुड़कर जब विचार का पल्लवन होता है, तो क्रांति होती ही है और ऐसा ही एक मोड़ ठीक पचास साल पहले इतिहास में आया था। अपने भाषण में शेख मुजीब ने साफ कहा कि पाकिस्तान का हमारे लिए कोई विशेष अर्थ नहीं। वह भी अन्य विदेशी राष्ट्रों की तरह एक विदेशी राष्ट्र है। बांग्लादेश पूर्ण स्वतंत्र राष्ट्र है, जहां प्रजातांत्रिक पद्धति चलेगी और मजहब के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा।

यह दक्षिण एशिया में धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के लिए बड़ा ऐतिहासिक क्षण था। 25 मार्च 1971 को पश्चिम पाकिस्तान के ऑपरेशन सर्चलाइट से एक युद्ध शुरू हुआ था, जिसे भारत-पाकिस्तान के बीच तीसरा युद्ध भी कहा जाता है, लेकिन यह वास्तव में था- मुक्ति संग्राम। उसी साल 16 दिसंबर का संग्राम की परिणति यह थी कि बांग्लादेश एक मुक्त राष्ट्र घोषित हुआ। एक शिशु के जन्म के लिए नौ माह का गर्भ और असहनीय प्रसव पीड़ा आवश्यक होती है, लेकिन जब एक राष्ट्र को जन्म लेना हो, तो यह पीड़ा पूरी मानवता एक विराट स्तर पर महसूसती है। यहां अमानुषिकता के विरुद्ध मानवता का संघर्ष इतिहास रचता है। उस समय के अनेक सृजनधर्मियों ने चीन्हा था कि वह इतिहास का गर्भकाल था। धर्मवीर भारती ने न केवल उस समय को दर्ज करने का बीड़ा उठाया, बल्कि उनकी जिजीविषा और दृष्टि यह थी कि संग्राम को आंखों देखकर देश-दुनिया तक पहुंचाया जाए। उन्होंने निश्चय किया था कि वह आंखों को कैमरा और शब्दों को स्क्रीन बना देंगे। धर्मयुग के संपादक के रूप में ख्यातिलब्ध भारती ने युद्ध के मोर्चे पर जाकर, सैनिकों, मुक्तिवाहिनी के जवानों, सेना के आला अफसरों आदि के साथ संग्राम के अंतिम 10 से 15 दिन जिस तरह गुजारे, उसी का शब्द चित्र है युद्ध यात्रा।

1971 और 1972 में ये तमाम बातें धर्मयुग के पन्नों पर छपी थीं, जिन्हें 2020 में उस समय किताब की शक्ल में लाया गया, जब समूची मानवता एक वायरसजनित हालात के विरुद्ध युद्ध कर रही थी। भारत में बांग्लादेशियों की मौजूदगी और बेदखली को लेकर शासन व नागरिकों के बीच संघर्ष थे, भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव की स्थिति थी और कूटनीति बता रही थी कि चीन किस तरह बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकता है। अघोषित युद्ध काल में उस वास्तविक युद्ध की यात्रा के पन्नों से बींधने पर कहीं मन में यह अवश्य रह जाता है कि बाहरी युद्ध अलग है, भीतरी युद्ध बहुत अलग। भारतीय होने के नाते आज सारे संसार के समक्ष मैं सिर ऊंचा करके पूछ सकता हूं कि है कोई ऐसा देश, जिसके जवानों ने बिना अपना कोई स्वार्थ आरोपित किये अपने बन्धु देश की मुक्ति के लिए उसकी धरती को अपना रक्तदान किया हो? भारती उस युद्ध की यात्रा में इस भाव को खोज सके, तत्कालीन मुक्तिवाहिनी के मुस्लिम और हिंदू जवान बन्धुत्व के भाव को जी सके, वे हजारों भारतीय सैनिक रक्तदानी हो सके, तो इसका एक बड़ा कारण यही था कि युद्ध केवल बाहरी स्तर पर लड़ा जा रहा था, भीतरी नहीं।

हालांकि सूरज का सातवां घोड़ा के लेखक रहे भारती इस युद्ध यात्रा में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थशास्त्रीय समीकरणों और तत्कालीन विदेश नीति जैसे बिंदुओं पर न तो मुखर दिखते हैं और न ही इनके संकेत देने में दरियादिली दिखाते हैं। जहां आग और धुएं, लाशों और धमाकों के बीच भारती को कायदे आजम जिन्ना लिखा हुआ कोई बोर्ड दिखाई देता है; या जहां मां काली की कसम, बोलो नारा ए तकबीर जैसा मिला जुला नारा सुनाई देता है; और जहां जहां भारतीय होने के नाते जंग के लड़ाकों की वीरगाथा वर्णित है, वहां गुनाहों का देवता वाले भारती का रूमान अधिक नजर आता है। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ दूसरे विश्व युद्ध से पहले ही युद्धों को जिस तरह एक प्रोफेशन और सोल्जर को एक प्रोफेशनल की तरह स्थापित कर चुके थे, उस दृष्टिकोण के सामने यह संग्राम कथा वाकई किसी रोमांचक फिल्म की पटकथा से कम नहीं दिखती। गुलेल से हेलीकॉप्टर ध्वस्त कर देने या एक मरियल से ग्रामवासी का अपनी सेना के लिए दुश्मन सेना से मार खाकर भी संदेश ले आना-ले जाना, जैसे किस्से पटकथा में रोचकता बनाये चलते हैं। पुस्तक के रूप के बारे में हिंदी में रिपोर्ट लिखा गया है और अंग्रेजी में ट्रैवलॉग। भूल से या अनजाने हुआ हो, लेकिन सच है कि यह पुस्तक इन दोनों शैलियों का मिश्रण है। केवल रिपोर्ताज के पैमाने पर भी इसमें कमियां निकलेंगी और केवल यात्रा वृत्तांत के पैमाने पर भी। मिश्रण के रूप में यह पुस्तक उदाहरण बन जाती है। युद्धों के वृत्तांत या रिपोर्ताज पहले भी लिखे जाते रहे हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के संदर्भ में शिवसागर मिश्र के लड़ेंगे हजार साल को भुलाया नहीं जाना चाहिए। इसका शीर्षक ही मनुष्य की युद्धवृत्ति और युद्ध नियति का उद्घोष करता है। वास्तव में रिपोर्ताज को तो युद्ध की ही उपज माना गया। रेणु ने दूसरे विश्व युद्ध के संदर्भ में धर्मयुग में ही लिखा था- गत महायुद्ध ने चिकित्सा के चीर-फाड़ विभाग को पेनिसिलीन दिया और साहित्य के कथा विभाग को रिपोर्ताज नेपाली क्रांति कथा के लेखक का यह वाक्य इतना दूरदर्शी था कि फिर साहित्य में रिपोर्ताज का पल्लवन कथा शैली में होता रहा और इसमें युद्ध जैसी स्थितियों की कहानी कहना श्रेयस्कर रहा। जब हमारी खोज प्रेम की ही होती है, तो हम कहानी युद्ध की क्यों कहते हैं? क्या शांति का मार्ग युद्ध से बचकर संभव नहीं है? ऐसे अनेक शाश्वत प्रश्न खड़े हो जाते हैं, जब हम युद्ध की किसी भी कथा या यात्रा से रूबरू होते हैं। खुद भारती भी इस यात्रा के अंतिम पन्नों तक आते-आते युद्ध के दृश्यों से हताहत अनुभव कर एक पूरे पन्ने में लिख पाते हैं कि युद्ध किसी भी लक्ष्य के लिए हो, कोई भी करे, रक्त गाथा निर्दोष बच्चों, विवश औरतों और सभ्यता की नींव को पुख्ता करने वाले किसानों, शिल्पियों, कामगारों की छाती पर ही लिखी जाती है। भारती जहां लिखते हैं, किसी ने यह क्यों नहीं लिखा कि परम घृणा भी कहीं हमें अपनी घृणा के लक्ष्य से बड़े रहस्यमय ढंग से जोड़ जाती है? या जहां वह अमानुषिक प्रवृत्ति को समझने के लिए उस विचार प्रक्रिया के भीतर न पैठ पाने की बेचैनी दर्शाते हैं, वहां अंधा युग के भारती के उन शब्दों के दर्शन होते हैं, जो आपको हाथ पकड़कर चिंतन तक ले जाते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर बढ़ी बांग्लादेश की परेशानी, कोच की वजह से दोबारा क्वारंटाइन में भेजी गई पूरी टीम

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 चक्र के तहत दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए न्यूजीलैंड आई बांग्लादेश क्रिकेट टीम को शुक्रवार को फिर से क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बांग्लादेश टीम को क्वारंटाइन पूरा होने तक यानी 21 दिसंबर तक किसी भी प्रैक्टिस सेशन में भाग न लेने के लिए कहा है। समझा जाता है कि स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से यह निर्देश बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजी कोच रंगना हेराथ के न्यूजीलैंड में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के मद्देनजर दिया गया है।

बांग्लादेश की टेस्ट टीम के आठ अन्य सदस्य, जिनमें खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ शामिल है, पहले से ही आइसोलेशन में हैं, क्योंकि वे मलेशिया से न्यूजीलैंड जाने वाले एक व्यक्ति के निकट संपर्क में आए थे, जो कोरोना संक्रमित था। इस बीच अन्य खिलाड़ियों और कर्मचारियों ने अपना अनिवार्य क्वारंटाइन पूरा करने के बाद 16 दिसंबर को पहली बार प्रैक्टिस सेशन में भाग लिया, लेकिन बाद में उन्हें भी अपनेप्रैक्टिस सेशन को रोकने के लिए कह दिया गया।

बांग्लादेश टीम प्रबंधक नफीस इकबाल ने इस बारे में कहा,' हमें कल प्रैक्टिस करने की अनुमति दी गई थी, लेकिन आज हमें न्यूजीलैंड सरकार के आदेशानुसार अपना प्रैक्टिस रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हमने अब तक तीन कोरोना टेस्ट कराए हैं और अभी एक और होना बाकी है। अगर क्वारंटाइन के नौवें दिन होने वाले टेस्ट में सभी नेगेटिव पाए जाते हैं तो हम क्वारंटाइन से रिलीज हो जाएंगे। हेराथ अब ठीक हैं। वह धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। हमारी टीम नियमित रूप से उनसे संपर्क कर रही है और उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही अपने साथ ले लेंगे। गौरतलब है कि इस हलचल के कारण 22 दिसंबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैच को बदला जा सकता है। इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैचों के अलावा मेहमान बांग्लादेश को दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले 28 दिसंबर से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ एक और दो दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेलने हैं। पहला टेस्ट टोरंगा के बे ओवल में एक जनवरी से खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट नौ जनवरी से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होगा।

सचिन तेंदुलकर ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी से की मुलाकात, दोस्त की जान बचाने के लिए कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने एक बार फिर अपना मानवीय पक्ष दिखाते हुए दुर्घटना में घायल हुए दोस्त की जिंदगी बचाने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मुलाकात की और कर्तव्य से परे जाकर काम करने के लिए सराहना की। दाएं हाथ के पूर्व महान बल्लेबाज ने ट्विटर पर ट्रैफिक पुलिस की सराहना की और एक विस्तृत पोस्ट साझा किया। उन्होंने इसका शीर्षक 'ऐसे लोगों की वजह से दुनिया एक खूबसूरत जगह है...' दिया है।

उन्होंने लिखा, 'कुछ दिनों पहले मेरे करीबी दोस्त के साथ एक गंभीर दुर्घटना हुई। भगवान की कृपा से वह अब बेहतर है। यह हालांकि ट्रैफिक पुलिस के एक कर्मी से समय पर मिली मदद की वजह से संभव हुआ।' उसने (यातायात पुलिसकर्मी) ने समझदारी दिखाते हुए दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत एक ऑटो से अस्पताल पहुंचाया। उसने इस दौरान यह सुनिश्चित किया कि गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त उसकी रीढ़ को और ज्यादा नुकसान नहीं हो।'

तेंदुलकर ने कहा कि वह पुलिस वाले से मिले और उनकी मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं उनसे मिला और उनकी मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हमारे चारों ओर और उनके जैसे कई लोग हैं, जो कर्तव्य से परे दूसरों की मदद करते है। ऐसे लोगों की वजह से दुनिया एक खूबसूरत जगह है। जनता को ऐसे सेवा करने वालो लोगों को धन्यवाद देने के लिए कुछ समय निकालना चाहिए।' भारत के पूर्व बल्लेबाज ने यातायात पुलिस के कार्यों की सराहना करते हुए आम लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

सुनील गावस्कर ने बताया, व्हाइट बॉल की कप्तानी छीनने के बाद क्यों दिख सकता है विराट का 2 साल पुराना अवतार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि विराट कोहली से व्हाइट बॉल की कप्तानी छीनना उनकी बल्लेबाजी के लिए एक अच्छा कदम हो सकता है। हालांकि कोहली की मौजूदा फॉर्म कोई बुरी नहीं है। लेकिन तथ्य है कि वो हाल में बहुत बार शून्य में आउट हो रहे हैं। उन्होंने दो साल से अधिक समय में कोई भी इंटरनेशनल सेंचुरी नहीं जड़ी है। ये बहस का विषय बना हुआ है। गावस्कर ने रोहित शर्मा को व्हाइट बॉल की कप्तानी सौंपने का सपोर्ट करते हुए कहा कि रोहित को इसके बाद हम और अधिक रन बनाते हुए देख सकते हैं। स्पोर्ट्स तक से कहा कि हम दो साल पुराने विराट को देख सकते हैं, जो सेंचुरी के बाद सेंचुरी जड़ते थे। गावस्कर ने रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा,' हमने यह भी देखा है कि जब रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया था, तो उन्होंने 20, 30 और 40 रन बनाए और उन्हें बड़े स्कोर में बदल दिया। जब आप कप्तान होते हैं, तो आप बहुत अधिक जिम्मेदारियों के साथ खेलते हैं। आपका शॉट चयन बेहतर हो जाता है। आप जानते हैं कि आपको एक उदाहरण स्थापित करना होगा और एमआई ने पांच बार खिताब जीतकर इसका फायदा उठया है। सफेद गेंद के कप्तान बनने के बाद रोहित को और अधिक रन बनाते हुए देखना संभव है।'

रोहित का कप्तान के तौर पर रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने मुंबई इंडियंस को कप्तान रहते हुए आईपीएल के 5 खिताब जिताए हैं, जो एमएस धोनी भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नहीं कर पाए हैं। साल 2018 में उन्होंने भारत को निदाहास ट्रॉफी जिताई थी। इसके बाद उन्होंने साल 2018 में विराट की गैरमौजूदगी में भारत को एशिया कप जिताया था।

रिहैब के लिए एनसीए पहुंचे रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका पहुंच चुकी है और अगले सप्तान वनडे टीम की घोषणा भी हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया को 19 जनवरी से तीन मैचों की वनडे इंटरनैशनल सीरीज भी खेलनी है। रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा दोनों ही टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे, जबकि रोहित मुंबई में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए तैयारी के लिए लगाए गए कैंप में प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए थे। रोहित को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई है। रोहित और जडेजा दोनों फिलहाल बेंगलुरु में नैशनल क्रिकेट एकैडमी (एनसीए) में रिहैब के लिए पहुंच गए हैं। दोनों ही वनडे टीम में वापसी करने पर नजर गड़ाए हुए हैं। रोहित के लिए दक्षिण अफ्रीका में होने वाली वनडे सीरीज काफी अहम होगी, क्योंकि फुल टाइम कप्तान के तौर पर यह उनकी पहली वनडे सीरीज होगी।

सौरव गांगुली ने दिए संकेत, राहुल द्रविड़-वीवीएस लक्ष्मण के बाद सचिन तेंदुलकर को सौंपी जा सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वीवीएस लक्ष्मण को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के प्रमुख के रूप में जोड़ने से पहले राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया था। इसमें बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके बाद हर तरफ ये चर्चा है कि गांगुली युग भारतीय क्रिकेट में वापसी कर रहा है? गांगुली ने द्रविड़ और लक्ष्मण के बाद दुनिया के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को इस लिस्ट में जोड़ने का संकेत दिया। हालांकि उन्होंने ये स्वीकार किया इस परिदृश्य में यह थोड़ा अलग हो सकता है। पत्रकार बोरिया मजूमदार के शो 'बैकस्टेज विद बोरिया' में गांगुली मे कहा,'सचिन स्पष्ट रूप से थोड़ा अलग हैं। वह इन सब में शामिल नहीं होना चाहते हैं। मुझे यकीन है कि सचिन के भारतीय क्रिकेट में शामिल होने से बेहतर खबर नहीं हो सकती है। किस तरह ये होगा उस पर काम करने की जरूरत है। क्योंकि चारों ओर बहुत अधिक विवाद हैं। सही या गलत आप कुछ भी करो और कैसे भी करो। विवाद खिड़की के अंदर आ ही जाता है। आपको खेल में सबसे अच्छे टैलेंट को शामिल करने के सबसे अच्छे तरीके खोजने चाहिए और किसी स्टेज पर सचिन भी भारतीय क्रिकेट में शामिल होने का एक तरीका खोज लेंगे।'

राहुल द्रविड़ ने टी-20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद टीम इंडिया के हेड कोच बनने से पहले टीम इंडिया की अंडर-19 टीम और इंडिया-ए टीम की कोचिंग भी की थी। उनके हेड कोच बनने के बाद भारत ने न्यूजीलैंड को टी-20 सीरीज में 3-0 से और दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हराया। द्रविड़ को कोच बनाने के बाद लक्ष्मण को एनसीए का प्रमुख बनाया गया। 13 दिसंबर को एनसीए में उनका पहला दिन था। सचिन ने अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2021 में मेंटर की भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा टेस्ट मैच का दूसरा दिन, इंग्लैंड बैकफुट पर

नई दिल्ली। एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम मेहमान टीम पर भारी पड़ी। मार्नस लाबुशेन की रिकॉर्ड शतकीय पारी के बाद कप्तान स्टीव स्मिथ के 93 रन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार नौ विकेट पर 473 रन पर पारी घोषित करने के बाद इंग्लैंड के दो विकेट झटक कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। लाबुशेन ने 103 रन की पारी खेली जो डे-नाइट टेस्ट में उनका तीसरा शतक है। वह ऐसे करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। आकाशीय बिजली कड़कने के कारण खेल को जल्दी रोकना पड़ा। इंग्लैंड ने 8.4 ओवर में दो विकेट पर 17 रन बनाए है। टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से पहल पारी के आधार पर 456 रन पीछे है।

डेब्यू कर रहे माइकल नासेर ने अपनी दूसरी गेंद पर हसीब हमीद (छह) को मिशेल स्टार्क के हाथों कैच कराया। इससे पहले स्टार्क ने रोरी बर्न्स (चार) को स्लिप में कैच कराया था। टी-ब्रेक के समय ऑस्ट्रेलिया ने 390 रन पर अपना सातवां विकेट गवां दिया था लेकिन स्टार्क (नाबाद 39) और नासेर (35) ने आठवें विकेट के लिए तेजी से 58 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 450 रन के करीब पहुंचाया। क्रिस वोक्स (103 रन पर एक विकेट) की गेंद पर झाय रिचर्डसन

(नौ) के आउट होते ही स्मिथ ने पारी घोषित कर दी। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरूआत दो विकेट पर 221 रन से की उस समय लाबुशेन 95 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

दिन का शुरूआती 40 मिनट काफी नाटकीय रहा जहां गेंद और बल्ले के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला। लाबुशेन ने जिम्मी एंडरसन (58 रन पर दो विकेट) की गेंद को थर्ड मैन के पास बाउंड्री के पार भेज कर टेस्ट करियर का छठा और एशेज का पहला शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद ही वह ओली रोबिनसन (45 रन पर एक विकेट) की गेंद पर कैच आउट हो गए लेकिन रीप्ले में नो बॉल की पुष्टि होने के बाद उन्हें जीवनदान मिल गया। वह हालांकि इसका फायदा उठाने में विफल रहे और अपनी पारी के 400वें मिनट में इसी गेंदबाज की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

लाबुशेन ने इस दौरान टेस्ट में 2000 रन पूरे किए। उन्होंने इस उपलब्धि को महज 34 पारी में पूरा किया। डॉन ब्रैडमैन (22), जॉर्ज हेडली (32), हर्बर्ट सटक्लिफ (33) और माइक हसी (33) ने ही इस से कम पारियों में इस कारनामे को किया है। लाबुशेन ने एडीलेड ओवल में लगातार तीन डे-नाइट टेस्ट में शतक बनाए हैं, जहां उनका औसत लगभग 100 है। स्मिथ और विकेटकीपर एलेक्स कैरी (51) ने छठे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की लेकिन एंडरसन ने दोनों को चलता किया। ऑस्ट्रेलिया अपना नौवां डे-नाइट टेस्ट मैच खेल रहा है, और पिछले सभी आठ मैच अपने घर में ही जीते हैं। पहले टेस्ट शतक बनाने वाले ट्रेविस हेड इंग्लैंड के कप्तान जो रूट (72 रन पर एक विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 18 रन बनाये। कैमरून ग्रीन (दो) को बेन स्टोक्स (113 रन पर तीन विकेट) ने बोल्ड किया ।

रोहित शर्मा ने एनसीए में रिहैब के दौरान अंडर 19 टीम को किया संबोधित

नई दिल्ली। टीम इंडिया के लिमिटेड ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा रिकवर होने के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रुके हुए हैं। वो चोटिल होने की वजह से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके साथ टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी एनसीए में फिटनेस हासिल कर रहे हैं। दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण की देखरेख में तैयारी कर रहे हैं। रोहित शर्मा ने शुक्रवार को अंडर 19 टीम को संबोधित किया। रिहैब के दौरान रोहित ने अंडर-19 टीम के साथ समय बताया। 25 सदस्यीय भारतीय अंडर-19 टीम का 23 दिसंबर से यूएई में खेले जाने वाले आगामी एसीसी अंडर-19 एशिया कप से पहले एनसीए में कैंप लगा है। रोहित के रिहैब के दौरान अंडर 19 टीम को संबोधित करने की तस्वीरें बीसीसीआई ने अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर की हैं। बीसीसीआई ने 4 तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रोहित युवा खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे हैं। बीसीसीआई ने कैप्शन में लिखा,' अमूल्य पाठ। टीम इंडिया के सफेद गेंद के कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु में एनसीए में रिहैबिलिटेशन के दौरान अपने समय का सदुपयोग करते हुए अभ्यास शिविर में भाग ले रहे अंडर 19 टीम के खिलाड़ियों को संबोधित किया। गौरतलब है कि रोहित शर्मा को 8 दिसंबर को टीम इंडिया की वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है। साउथ अफ्रीका दौरे में टीम इंडिया 19 जनवरी से वनडे सीरीज खेलेगी।

इंग्लैंड को लगा तगड़ा झटका, आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के लिए डब्लूटीसी के 3 प्वॉइंट और काटे

नई दिल्ली। एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 8 प्वॉइंट काटे गए हैं। शनिवार को आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के लिए 5 प्वॉइंट काटे थे। शुक्रवार को एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में स्लो ओवर रेट के लिए उसके तीन और प्वॉइंट काटे गए हैं। पिछले शनिवार को मेहमान टीम के 5 प्वॉइंट काटने का ऐलान किया गया था। हालांकि अब सामने आया है कि इंग्लैंड ने तय समय में 8 ओवर कम डाले थे। इसलिए उसके तीन अतिरिक्त प्वॉइंट काटे गए हैं। श्रीलंका दो जीत के साथ

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की प्वॉइंट टेबल में टॉप पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत हासिल कर दूसरे पायदान पर है। पाकिस्तान तीसरे, भारत चौथे और वेस्टइंडीज पांचवें नंबर हैं। इंग्लैंड 6 प्वॉइंट के साथ अब सातवें नंबर पर है। इसी के साथ उसके परसेंटेज ऑफ प्वॉइंट्स 10 हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंज पर मैच फीस का 100 फीसदी जुमार्ना भी लगाया गया था। आईसीसी ने शुक्रवार को कहा,'इंग्लैंड आठ ओवर कम था (पहले की घोषणा के अनुसार पांच ओवर कम नहीं) लेकिन लिमिट के कारण उन पर मैच फीस का 100 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया था। हालांकि, पेनल्टी ओवरों के लिए कोंई लिमिट नहीं है, जो कि आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 16.1.12 के अनुसार निर्धारित समय में पूरे नहीं किए गये ओवरों की संख्या को दशार्ता है।

मार्नस लाबुशेन की सेंचुरी, डे-नाइट टेस्ट में ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में शतक जड़ डाला है। एडिलेड में खेला जा रहा यह डे-नाइट टेस्ट मैच है। मैच के पहले दिन 95 रन बनाकर नॉटआउट लौटे लाबुशेन ने दूसरे दिन जेम्स एंडरसन की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट क्रिकेट का अपना छठा शतक लगाया। डे-नाइट टेस्ट में यह उनका तीसरा शतक था। डे-नाइट टेस्ट में इस तरह से लाबुशेन के खाते में सबसे ज्यादा शतक दर्ज हो गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के असद शफीक को पीछे छोड़ा, जिनके खाते में दो डे-नाइट टेस्ट शतक हैं।

लाबुशेन 305 गेंद पर 103 रन बनाकर ओली रॉबिन्सन की गेंद पर आउट हुए, लेकिन पवेलियन लौटने से पहले मेजबान टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। लाबुशेन इस पारी के दौरान काफी लकी भी रहे, उन्हें कुछ जीवनदान मिले, कभी कैच छूटा, तो कभी आउट होने वाली गेंद नोबॉल निकली। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 1-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में खेला गया पहला टेस्ट मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

मार्कस हैरिस महज तीन रन बनाकर आउट हुए, उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर महज चार रन था। इसके बाद लाबुशेन ने डेविड वॉर्नर के साथ मिलकर 172 रनों की साझेदारी निभाई। वॉर्नर 95 रन बनाकर आउट हुए। लाबुशेन ने फिर स्टीव स्मिथ के साथ मिलकर स्कोर 241 तक पहुंचाया। लाबुशेन डे-नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में स्टीव स्मिथ से आगे निकल गए हैं। लाबुशेन ने पांच डे-नाइट टेस्ट मैचों की सात पारियों में 84.57 के शानदार औसत से 592 रन बनाए हैं।

बहनजी और बबुआ के राज में यूपी में क्या-क्या हुआ, अमित शाह ने खोली विपक्ष की पोल

लखनऊ। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बहनजी और बबुआ के राज में उत्तर प्रदेश का सहकारिता विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। वही अब यह विभाग प्रदेश की 24 करोड़ जनता की सेवा कर रहा है। शाह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों को अपने चट्टों बट्टों को कौड़ियों के भाव बेच देने का काम बहनजी और अखिलेश यादव के शासनकाल में हुआ। चीनी मिलों के साथ साठगांठ करके सपा और बसपा के लोगों ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग जाति व परिवार की राजनीति करते हैं वह लोग पारदर्शी सरकार

नहीं बना सकते।

अमित शाह ने शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश राज्य भण्डारण निगम एवं उत्तर प्रदेश को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा आयोजित समारोह में यह बातें कहीं। सहकारिता मंत्री शाह ने यह घोषणा की कि बहुत जल्द देश की सभी 65000 प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पैक्स) को कम्प्यूटरीकृत कर दिया जाएगा। इसके साथ ही इन सभी समितियों को एक ही तरह के साफ्टवेयर उपलब्ध होंगे। यही नहीं सभी जिला को-आपरेटिव बैंक और राज्य को-आपरेटिव बैंक को देश की हर भाषा में नाबार्ड के साथ जोड़ा जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री बी.एल.व प्रदेश के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, केन्द्रीय मंत्री व यूपी प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान आदि मौजूद थे।

शाह ने प्रदेश के सहकारिता आन्दोलन के प्रतिनिधियों को सीख देते हुए कहा कि जब पैक्स का कम्प्यूटरीकरण हो जाता है तो भ्रष्टाचार आसानी से खत्म किया जा सकता है क्योंकि सबकुछ पारदर्शी हो जाता है। अमित शाह ने बटन दबाकर उ.प्र.राज्य भण्डारण निगम के 26 नव निर्मित गोदामों, उ.प्र.कोआपरेटिव बैंक की 13 शाखाओं, उत्तर प्रदेश को-आपरेटिव बैंक मुख्यालय भवन में डेटा सुरक्षा के लिए साइबर सिक्योरिटी, 294 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में 75 साल बाद केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय बना। देश के करोड़ों किसानों, दुग्ध उत्पादकों, सहकारी समितियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, छोटी सहकारी इकाईयों के साथ न्याय किया गया।

नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने बीजेपी पर साधा निशाना, बोले- बंगाल में खेला हुआ अब यूपी में खदेड़ा होगा

लखनऊ। यूपी विधानसभा सत्र के आखिरी दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने सरकार मुख्य बजट का 64.76 फीसदी खर्च नहीं कर पाई, फिर भी दूसरा अनुपूरक ले आई। भाजपा सरकार पूंजीवादियों की पिछलग्गू है। पश्चिम बंगाल में तो खेला हुआ था, यूपी में इस बार इस सरकार का खदेड़ा होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कोरोना को लेकर दूसरे देशों से तुलना कर रहे हैं, लेकिन इलाज के अभाव में यूपी वाले कितने मर गए उन्हें इसकी चिंता नहीं है।

नेता प्रतिक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री कह रहे थे हनक से सरकार चलती है, लेकिन ऐसा नहीं है। सरकार नीति से चलती है। सरकार ने नारा दिया है कि सोच ईमानदार काम दमदार। मगर इन पर सोच बैमान और काम दागदार सही बैठता है। इस सरकार ने सभी को छला है। युवाओं को लैपटॉप, टैबलेट देने की घोषणा कर दी, मगर अभी टेंडर ही नहीं हुआ है। असलियत तो ये है सिर्फ ढोल पीट रहे हैं। युवा मूर्ख नही है। इस बार जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि यूपी में अपराध बड़े हैं। इसे साबित करने के लिए एनसीबी की रिपोर्ट भी पेश की। उन्होंने पंचायत चुनाव में भी गड़बड़ी के आरोप लगाए। मुख्यमंत्री कल समाजवादी व रामराज्य पर बात कर रहे थे। पर हकीकत तो यह है कि इनके रामराज्य में कोई सुरक्षित नहीं है। भाजपा सरकार अब तक साढ़े चार लाख नौकरियां देने का दावा कर रही है, लेकिन हकीकत तो यही है कि भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक कराया जा रहा है।

मां ने अपने ही तीन बच्चों को दे दिया जहर, चौथा बचकर भागा तो पड़ोसियों को दी खबर

मऊ। यूपी के मऊ में सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक महिला ने अपने ही बच्चों को जहर दे दिया और खुद भी जहरीला पदार्थ खा लिया, चौथ बेटा किसी

तरह भाग निकला। तीन बच्चों संग मां की खुदकुशी की खबर से अफसरों में खलबली मच गई। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चारों की हालत गंभीर बनी हुई है। उधर सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि जहर पीने वाली महिला समेत उसके तीनों बच्चों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। फिलहाल मां व एक बच्चे की हालत गंभीर है। मऊ जिले के थाना सरायलखंसी क्षेत्र अंतर्गत कंधेरी गांव निवासिनी 36 वर्षीय सरोजा देवी के पति हाफिज की तीन माह पूर्व सड़क दुर्घटना में गाजीपुर जनपद के जंगीपुर में मौत हो गया था। पति की मौत के बाद से ही आर्थिक तंगी के कारण महिला के सामने घर-परिवार चलाने का संकट गहरा गया था। पति की मौत के बाद घर का व बच्चों का खर्च चलाना सरोजा के लिए काफी मुश्किल हो गया था। वह आर्थिक संकट को लेकर काफी दिनों से परेशान चल रही थी। इस बीच शुक्रवार को सरोजा ने अचानक घर रखा जहर अपने 6 वर्षीय पुत्र करिया, 3 वर्षीय पुत्र मोनू, डेढ़ वर्षीय पुत्री नेहा को पानी में मिलाकर दे दिया। साथ ही खुद भी उसने जहर पी लिया।चौथे बच्चे को जब जहर देने की कोशिश की तो वह मां का हाथ छुड़ाकर भाग निकला। जहर पीने के बाद सभी की हालत खराब हो गई। इस बीच चौथे बच्चे ने इसकी जानकारी पड़ोसियों को दी तो काफी संख्या में आसपास के लोग एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों की मदद सरोजा समेत तीनों बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। उधर घटना की सूचना पाते ही क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्र दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा ने बताया कि पति की मौत के बाद महिला काफी परेशान थी।

एक और सपा सांसद ने दीं अजीब दलीलें

बच्चे पैदा करने लायक होने पर कर देनी चाहिए लड़कियों की शादी, उम्र बढ़ने पर पोर्न देखकर...;

नई दिल्ली। लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु 18 साल से बढ़ाकर 21 किए जाने के प्रस्ताव पर समाजवादी पार्टी (सपा) के कई नेता आपत्ति जाहिर कर चुके हैं। अबु आजमी, शफीकुर्रहमान बर्क के बाद अब सपा सांसद एसटी हसन ने शुक्रवार को केंद्र के प्रस्ताव का विरोध करते हुए अजीबोगरीब दलीलें दीं। हसन ने कहा कि जब लड़कियां बच्चे पैदा करने लायक हो जाएं तो उनकी शादी कर देनी चाहिए। अपने तर्कों में उन्होंने यह भी कह डाला कि उम्र बढ़ने पर बच्चे पोर्न फिल्में देखने लगते हैं और उनमें अनुशासनहीनता बढ़ जाती है। एएनआई से बात करते हुए हसन ने कहा, महिलाओं की प्रजनन आयु 16-17 वर्ष से 30 वर्ष तक होती है। 16 साल की उम्र से ही शादी के प्रस्ताव आने लगते हैं। यदि शादी में देर की जाती है तो इसके दो नुकसान हैं, एक है बांझपन की संभावना। दूसरी यह कि दूसरा

यह है कि जब कोई बूढ़ा हो जाता है तो बच्चे व्यवस्थित नहीं होते हैं। जब आप जिंदगी के आखिरी दशक में तब भी आपके बच्चे स्टूडेंट ही होते हैं। हम प्राकृतिक प्रक्रिया को तोड़ रहे हैं। सपा सांसद ने कहा, मैं मानता हूं कि जब एक लड़की परिपक्व हो जाती है और प्रजनन की उम्र हासिल कर लेती है, उसकी शादी हो जानी चाहिए। यदि एक लड़की 16 साल में परिपक्व हो जाती है तो उसकी शादी 16 में हो सकती है। यदि वह 18 की उम्र में वोट कर सकती है तो वह शादी क्यों नहीं कर सकती है? बच्चे जब बड़े होते हैं तो अनुशानहीनता बढ़ जाती है, जब वे पोर्न वीडियो और फोटो देखने लगते हैं। सांसद ने आगे कहा, हमने लिव इन रिलेशन को मंजूरी दे दी है, जो दिखाता है कि अनुशासनहीनता बढ़ गई है। इस उम्र में हार्मोनल बदलवा अपराध की ओर ले जा सकते हैं। इससे पहले गुरुवार को सपा नेता अबु आजमी ने भी कहा था कि शादी की उम्र बढ़ाए जाने से लड़कियां गलत रास्ते पर जा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि यह कानून ऐसे लोग ला रहे हैं, जिनके अपने बच्चे नहीं हैं। इस मुद्दे पर ग्रामीणों और आदिवासियों की राय ली जानी चाहिए। इससे पहले सपा सांसद शफीकुर्रहमान बक ने भी इस प्रस्ताव के विरोध का ऐलान किया। उन्होंने कहा, भारत एक गरीब देश है और हर कोई बेटी की शादी कम उम्र में करना चाहता है।

मोदी सरकार के प्रस्ताव पर बोले ओवैसी

लड़कों की शादी की उम्र 21 से घटाकर 18 हो...

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही लड़कियों की शादी के लिए भी न्यूनतम आयु 18 की बजाय 21 साल किए जाने वाले प्रस्ताव पर अब अक्टक्ट सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। ओवैसी ने शुक्रवार को कहा यह मोदी सरकार के पितृसत्तात्मकता का एक बहुत अच्छा उदाहरण है। 18 साल की उम्र में, एक भारतीय नागरिक अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकता है, व्यवसाय शुरू कर सकता है, प्रधानमंत्री चुन सकता है और सांसदों और विधायकों का चुनाव कर सकता है। ओवैसी ने आगे कहा कि मेरा विचार है कि लड़कों के लिए 21 आयु सीमा घटाकर 18 कर दी जानी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए क्या किया? मोदी सरकार हर चीज को क्रिमिनल कानून से देखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुरूप केंद्र सरकार ने लड़कियों के लिए शादी की वैध न्यूनतम उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने का फैसला किया है।

लखीमपुर केसः अभी जेल में ही रहेगा गृह राज्यमंत्री का बेटा आशीष मिश्रा, सीजेएम कोर्ट से दोबारा खारिज हुई जमानत अर्जी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर हिंसा में मुख्य आरोपी व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष की द्वितीय जमानत अर्जी भी सीजेएम कोर्ट से खारिज हो गई। विवेचना के दौरान नई धाराएं बढ़ने पर उनके वकील ने शुक्रवार को यह अर्जी दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान प्रभारी सीजेएम मोना सिंह ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपराध की गम्भीरता को देखते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दी। लखीमपुर हिंसा की विवेचना के दौरान एसआईटी ने सभी 13 आरोपियों पर जानलेवा हमला और घातक हथियारों से गम्भीर चोट पहुंचाने समेत शस्त्र अधिनियम की कई नई धाराएं बढ़ाई हैं। जबकि पहले से दर्ज उपेक्षा और लापरवाही से हादसे वाली धाराएं हटा दीं। इस वजह से मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा के अधिवक्ता अवधेश सिंह की ओर से शुक्रवार को द्वितीय जमानत अर्जी सीजेएम कोर्ट में प्रस्तुत की गई। सीजेएम चिंताराम के अवकाश पर होने के कारण जमानत अर्जी पर सुनवाई प्रभारी सीजेएम मोना सिंह ने की। प्रभारी सीजेएम ने अभियोजन

की तरफ से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी एसपी यादव और आरोपी के अधिवक्ता अवधेश सिंह की दलीलें सुनने के बाद अपराध की गंभीरता को देखते हुए दूसरा जमानत प्रार्थना पत्र भी खारिज कर दिया। इस मामले में 10 अक्तूबर को गिरफ्तारी होने के बाद आशीष मिश्रा की ओर से 13 अक्तूबर को सीजेएम कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। जिसे सीजेएम ने सुनवाई के बाद उसी दिन खारिज कर दिया था। सीजेएम कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद 21 अक्तूबर को आशीष की जमानत अर्जी जिला जज की कोर्ट में दाखिल की गयी थी। जिस पर सुनवाई करते हुए जिला जज मुकेश मिश्रा ने तिकुनिया पुलिस से मामले की केस डायरी और आख्या तलब की थी।

माफिया और गुंडों के खिलाफ ऐसे ही चलता रहेगा यूपी सरकार का बुलडोजरः सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार में किसी के साथ अन्याय या शोषण नहीं होगा लेकिन माफिया और गुंडों के खिलाफ सरकार का बुलडोजर ऐसे ही चलता रहेगा। कांग्रेस, सपा और बसपा ने कभी भी देश की सुरक्षा और आतंकवाद को गंभीरता से नहीं लिया। 2014 में जब भाजपा की सरकार बनी तो दुश्मन देशों को यह संदेश दिया कि भारतीय सीमा से खिलवाड़ किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे। आतंकवाद की सबसे बड़ी धारा कश्मीर से धारा 370 समाप्त करने का काम किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था बुकलेट का विमोचन, सिख संस्था ने जताई आपत्ति, गलत इतिहास बताने का आरोप

नई दिल्ली। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने एक बुकलेट का भी विमोचन किया था। श्री काशी विश्वनाथ धाम का गौरवशाली इतिहास शीर्षक से प्रकाशित इस बुकलेटमें वाराणसी के धार्मिक इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। इसे लेकर ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटी ने ऐतराज जताया है और बुकलेट पर बैन लगाने की मांग की है। सिख संस्था की ओर से जारी बयान में मीडिया सचिव कुलविंदर सिंह रामदास ने कहा कि इस बुकलेट का वाराणसी में विमोचन किया गया था और इसे प्रसाद के तौर पर बड़ी संख्या में यूपी सरकार की ओर से बांटा गया। संस्था ने आरोप लगाया

कि इस बुकलेट में सिख इतिहास को गलत ढंग से पेश किया गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कुलविंदर सिंह रामदास ने कहा कि इसमें काशी से सिख धर्म को जोड़ते हुए गलत जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा, बुकलेट में कहा गया है कि पंज प्यारे के साथ खालसा पंथ की स्थापना करने से पहले गुरुगोविंद सिंह ने उन्हें काशी भेजा था।

उन्होंने कहा था कि वे काशी जाएं और वहां सनातन धर्म के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें, जिसकी उन्हें रक्षा करनी है। बुकलेट में यह भी कहा गया है कि सिख पंथ की स्थापना सनातन धर्म को मुगलों के अत्याचार से बचाने के लिए की गई थी। ये दोनों ही बातें तथ्यों से परे हैं। इसे भ्रम पैदा करने की भावना और अज्ञानता के चलते लिखा गया है।उन्होंने कहा, खालपा पंथ की स्थापना धार्मिक मूल्यों की रक्षा करने और उत्पीड़न का मुकाबला करने के लिए की गई थी। अन्याय और अत्याचार के खिलाफ मुकाबले के लिए इसकी स्थापना की गई थी। इसका मकसद सनातन धर्म की रक्षा करना नहीं था। इसके अलावा जिन 5 सिखों को काशी भेजा गया था, वे पंज प्यारों से अलग थे। रामदास ने कहा, यह गलत जानकारी दी गई है।

अखंड भारत संदेश के लिए (स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति) क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूसी प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित एवं विपिन इंटरप्राइजेज 1/6C माधवकुंज, कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति पी.आर.बी .एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदाई। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

UPHIN **29506**

सीरिया के सबकः लोग प्यास से भी मरते हैं

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर सीरिया पिछले करीब 70 सालों का सबसे बुरा सूखा झेल रहा है. तुर्की से तनाव के बीच तापमान में बढ़ोत्तरी और अनापशनाप मौसम ने और मुश्किलें खड़ी कर दी हैं.सितंबर की धूप ओलिव पेड़ों के पुराने बागान पर ढल रही है, और अहमद महमूस अलहरी, सोच में डूबे एक पेड़ से दूसरे पेड़ की ओर आ-जा रहे हैं. 52 साल के अलहरी एक सूखी लकड़ी को तोड़कर धूल भरी, धूसर जमीन पर गिरा देते हैं. वो याद करते हुए कहते हैं, ₹मेरे भाई और मैंने यहां एक बार 8,000 पेड़ लगाए थे. सिर्फ ओलिव के पेड़ नहीं थे, नींबू के भी थे और अंगूर की बेलें थीं. जब इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने हमारा पानी का कनेक्शन काट डाला तो हमारे 3,000 पेड़ मर गए. हमने सोचाः

अब इससे ज्यादा बुरा क्या होगा. लेकिन इस साल और तीन हजार पेड़ सूख कर खत्म हो गए क्योंकि हमारे पास पानी नहीं है.ह्व ये हाल तब है जबकि अलहरी का गांव अयीद साघीर सीरिया की सबसे बड़ी नदी, फरात (यूफ्रेटस) पर बने तबका बांध से महज तीन किलोमीटर दूर ही है. इस गांव में एक हजार लोग रहते हैं।

अलहरी के ओलिव बागान से बांध का विशाल असद जलाशय भी दिख जाता है. 2020 से जलाशय में पानी का लेवल छह मीटर गिर गया है. फरात नदी इतना नीचे बह रही है कि आसपास के गांवों और खेतों को पानी की सप्लाई देन वाले पम्पिंग स्टेशन भी नदी के पानी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र के डाटा के मुताबिक फरात पर बने करीब 200 पम्पों में से एक तिहाई पम्प 2021 में जलस्तर में कमी से प्रभावित थे और इलाके के 50 लाख से ज्यादा लोगों के पास पर्याप्त पानी नहीं था. किस वजह से हो रहा है जल संकट? वैश्विक स्तर पर, मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) क्षेत्र जलवायु संकट से सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में से है. संयुक्त राष्ट्र खाद और कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक सीरिया में बरसात का मौसम दो महीने देरी से 2020-21 की सर्दियों में शुरू हुआ और निर्धारित अवधि से दो महीने पहले खत्म भी हो गया. इसके अलावा एफएओ ने पाया कि अप्रैल महीने की बेतहाशा गर्मी से कई स्थानों पर फसल का भारी नुकसान हुआ।

बांग्लादेशः गरीबी से जूझता देश कैसे बना उभरती आर्थिक ताकत

नई दिल्ली। बांग्लादेश के 50 साल पूरे हो गए हैं. इस दौरान बांग्लादेश ने भयानक गरीबी और भुखमरी से लेकर आर्थिक विकास की एक बढ़िया मिसाल बनने का सफर तय किया है. ये कैसे हुआ और आगे बांग्लादेश के सामने क्या चुनौतियां हैं, आइए जानते हैं.जब बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में जब पाकिस्तानी सेना ने हथियार डाले, तब दक्षिण एशिया के इस नए आजाद हुए देश की अर्थव्यवस्था बुरे हाल में थी. देश की 80 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीबी में जी रही थी. फिर अगले कुछ बरसों तक बांग्लादेश सैन्य तख़्तापलट, राजनीतिक संकट, गरीबी और अकाल से जूझता रहा. लेकिन, अब जबकि ये अपनी आजादी की 50वीं सालगिरह मना रहा है, तब हालात पहले से बहुत बेहतर हो चुके हैं. 16 दिसंबर, 1971 को तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान की सेना ने हार स्वीकार की. इसी दिन की याद में बांग्लादेश में विजय दिवस मनाया जाता है और सरकारी छुट्टी होती है. बांग्लादेश के सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग में अर्थशास्त्री मुस्तफिजुर रहमान डॉयचे वेले को बताते हैं, ₹सत्तर के दशक में ये कहा जाता था कि अगर बांग्लादेश का आर्थिक विकास हो सकता है, तो किसी भी देश का आर्थिक विकास हो सकता है₹ वह बताते हैं कि विकास के मुद्दे पर बांग्लादेश को एक उदाहरण की तरह देखा जाता था, जिस पर सबकी निगाहें थीं. नॉर्वे के सामाजिक शोधकर्ता आरिक जी. यानसन बताते हैं कि करीब 35 साल बाद 2009 में वह बांग्लादेश के एक गांव में दोबारा पहुंचे. तब उन्हें बांग्लादेश के सामाजिक-आर्थिक विकास और लोगों की आय में हुई असाधारण बढ़ोतरी देखकर बड़ी हैरानी हुई. डॉयचे वेले से बातचीत में यानसन कहते हैं, ₹वहां लोगों की आय दस गुना तक बढ़ गई थी. इसका मतलब था कि वो अपनी दिहाड़ी से कम से कम 10-15 किलो चावल खरीद सकते थे।